आईएसबीएन : 978-93-7029-121-8

सेवा पथ

मासिक ई-पत्रिका

वर्ष-5 अंक-26
अगस्त, 2025

प्रकाशक

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर-273007 (उ.प्र.)

Editors :

Dr. Akhilesh Kumar Dubey (Chief Editor)

Lieutenant (Dr.) Sandeep Kumar Srivastava (Co-Editor)

© **Editors**

Edition : 2025

Pages : 28

Size : A4

Paper Quality (GSM) : NIL (Only Electronic)

Published by :

Mahayogi Gorakhnath University Gorakhpur

Arogya Dham, Balapar Road, Sonbarsa, Gorakhpur,

Uttar Pradesh-273007

Tel. : +9451520116, 7607592575

University Email-mguniversitygkp@mgug.ac.in

NSS Email-coordinator.nss@mgug.ac.in

NCC Email-ncc@mgug.ac.in

त्यौहारों के बदलते स्वरूप

"त्यौहार की असली रोशनी दीयों में नही बल्कि दिलों की मुस्कान और रिश्तों की मिठास में है।"
भारत त्यौहारों की धरती है, यहाँ हर एक मौसम एक नया उत्सव लाता है। बचपन की होली में रंग ही नही रिश्तों का अपनापन भी घुला होता था, दीपावली में दीयों के साथ–साथ माँ की मुस्कान घर को रोशन करती थी, ईद पर शीर खुरमें में ज्यादा मीठा पड़ोसी का आलिंगन होता था। त्यौहार वह दिन थे जब गरीब अमीर का फर्क मिट जाता था और हर दिल कहता था– "हम सब एक है लेकिन अफसोस आज त्यौहारों का स्वरूप बदल रहा है, उनकी आत्मा कहीं पीछे छूट रही है।"

पहले त्यौहारों की खुशियाँ मिट्टी की खुशबू, घर के आँगन की सजावट और माँ के हाथ की बनी मिठाइयों में बसती थी। मोहल्ले में हर घर एक–दूसरे का घर बन जाता था। बच्चे ढ़ोलक की थाप पर नाचते और बुजुर्ग आशीर्वाद देते त्यौहारों का मतलब था साथ–साथ बैठना, हँसना रोना, जीना होता था।
परन्तु अब त्यौहारों का स्वरूप बदल रहा है, अब मोबाइल स्क्रीन पर भेजे शुभ दीपावली और शुभ होली एवं त्यौहारों की शुभकामनाओं ने लोगो के गले मलने की परम्परा छीन ली है। माँ की रसोई के लड्डू की जगह बाजार के पैकेट ने ले ली है। मिट्टी का दिया जो रात को पूरी गली को चमका देता था, उसकी जगह चमचमाती बिजली की लड़ियों ने ले ली है, पर दिल का अँधेरा जस का तस रह गया। पहले त्यौहार रिश्ते जोड़ते थे, अब कई बार खर्च और दिखावा उन्हे तोड़ने लगे है।

इस बदलाव ने हमें सुविधाएँ दी लेकिन कहीं न कहीं त्यौहारों की आत्मा खो गई। अब त्यौहारों में हँसी है, पर, गहराई नही, रोशनी है, पर अपनापन नही, भीड़ है, पर दिल खाली है और यही सबसे बड़ा दर्द है त्यौहार, जो दिलों को जोड़ते थे अब कभी–कभी सिर्फ शोर और प्रदर्शन बन कर रह गए है।

हमें एक बार पुनः आवश्यकता है कि त्यौहारों को उनकी सच्ची आत्मा से जोडना होगा। दीप जलाएं तो केवल घर के लिए नही, किसी गरीब की झोपड़ी के अँधेरे के लिए भी। मिठाई बाँटे तो केवल अपनों में ही नही उन अनाथ में बच्चों में भी जो इंतजार करते है। पटाखें जलाएं नही, किसी के जीवन में नई उम्मीद जगाएँ। सोशल मीडिया पर शुभकामना भेजें साथ ही किसी अकेले इंसान के कँधें पर हाथ रखकर कहें कि आप अकेले नही है।

त्यौहार केवल रोशनी, रंग या मिठास का नाम नही, बल्कि दिलों को जोड़ने की कला है, त्यौहार समय बदल सकता है, साधन बदल सकता है पर त्यौहारों की आत्मा वही रखनी चाहिए–"प्रेम, करूण और एकता" त्यौहार वे दीपक हैं जोदीवारों को नही, दिलों की दरारों को रोशन करते है। आओं बदलते दौर में भी त्यौहार की उस असली खुशबू को बचाएं जो आँशू पोछती है मुस्कान लाती है और कहती है, हम सब एक परिवार है।

त्यौहारों का असली अर्थ रोशनी से घर सजाना नही बल्कि दिलों को रोशन करना है मिठाई का स्वाद केवल जुबान पर नही बल्कि रिश्तों में घुलना चाहिए। बदलते दौर में हमें त्यौहारों को बाजार की चमक से नही दिलों की सच्चाई से मनाना होगा तभी त्यौहार अपने असली रूप में लौटेंगें।

स्नेहा गुप्ता
स्वयंसेविका पारिजात इकाई, कृषि संकाय

राष्ट्रीय सेवा योजना

स्तनपान जागरूकता अभियान

राष्ट्रीय सेवा योजना

स्तनपान कराने के तकनीकों के बारे में जागरूक करते हुए स्वयंसेविकाएं

दिनांक : 04 अगस्त, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय के अंतर्गत संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की माता अनुसुइया इकाई द्वारा दिनांक 01 अगस्त 2025 से 07 अगस्त 2025 तक आयोजित शिशु स्तनपान सप्ताह के अंतर्गत स्तनपान जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिशु के प्रारंभिक पोषण एवं मातृत्व स्वास्थ्य के लिए स्तनपान के महत्व पर महिलाओं में व्यापक जागरूकता उत्पन्न करना था।

इस अवसर पर पोस्टर प्रदर्शनी, शैक्षिक संवाद एवं तकनीकी जानकारी सत्र के माध्यम से स्तनपान की वैज्ञानिक तकनीकों को सरल भाषा में समझाया गया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को बताया गया कि स्तनपान केवल एक पोषण प्रक्रिया नहीं, अपितु यह माँ और शिशु के बीच भावनात्मक जुड़ाव को भी सुदृढ़ करता है। उचित स्तनपान तकनीकों की जानकारी के अंतर्गत क्रैडल होल्ड, क्रॉस–क्रैडल होल्ड, तथा लेटे–लेटे स्तनपान जैसे तरीकों पर विस्तार से चर्चा की गई। इन तकनीकों को शिशु को स्तन से गहराई से पकड़ बनाने, उचित पोषण प्राप्त करने तथा माँ को स्तनपान में सुविधा प्राप्त हो, इस उद्देश्य से डिजाइन किया गया है। कार्यक्रम के माध्यम से यह भी बताया गया कि स्तनपान से शिशु को संक्रमण से सुरक्षा, मस्तिष्क विकास में सहायक पोषक तत्व, तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता प्राप्त होती है।

वहीं, माताओं के लिए यह प्रसवोत्तर स्वास्थ्य में सुधार एवं भावनात्मक संतुलन में सहायक होता है।

इस अभियान का संचालन एनएसएस की सक्रिय स्वयंसेविकाओं खुशी, एकता कुशवाहा, अमृता, अंजली रॉय, मंजू एवं गुड़िया के नेतृत्व में प्रभावी ढंग से किया गया। कार्यक्रम माता अनुसूइया इकाई की कार्यक्रम अधिकारी सुश्री सुमन यादव के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ, जिनका सतत निर्देशन एवं प्रोत्साहन इस आयोजन की सफलता में महत्वपूर्ण रहा।

स्तनपान जागरूकता अभियान

राष्ट्रीय सेवा योजना

स्तनपान कराने के तकनीकों के बारे में जागरूक करते हुए स्वयंसेविकाएं

दिनांक : 05 अगस्त, 2025। महायोगी गोरखनाथ वि वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गन नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय में संचालित मैत्रेयी इकाई द्वारा शिशु स्तनपान सप्ताह 2025 के चौथे दिन का शुभारंभ प्रातः 10:00 बजे महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय के ओ.पी.डी. परिसर में किया गया, जिसमें स्वयंसेवकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत परिचय और विषय प्रस्तुति के साथ हुई, जिसके बाद छात्राओं ने जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक प्रभावशाली नाटक (स्किट) प्रस्तुत किया। इस वर्ष के विषय "स्तनपान को प्राथमिकता दें रू सतत समर्थन प्रणाली बनाएं" के अंतर्गत उन्होंने स्तनपान की प्राथमिकताओं जैसे जन्म के तुरंत बाद स्तनपान शुरुआत, छह माह तक केवल स्तनपान, और परिवार एवं स्वास्थ्य कर्मियों के समर्थन को दर्शाया।

नाटक में माताओं को आने वाली सामाजिक व पारिवारिक चुनौतियों और उन्हें दूर करने के उपायों को भी जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया, जिसे उपस्थित जनसमूह ने सराहा। नाटक के उपरांत छात्राओं ने चार्ट पेपरों की सहायता से स्तनपान से संबंधित महत्वपूर्ण पहलुओं को समझाया।

उन्होंने स्तनपान की परिभाषा, उद्देश्य, लाभ, तकनीक और महत्व को सरल भाषा में प्रस्तुत किया। बताया गया कि स्तनपान शिशु के लिए पूर्ण आहार है जो न केवल पोषण देता है बल्कि रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाता है और मां–बच्चे के बीच भावनात्मक संबंध मजबूत करता है। तकनीकों में सही लैचिंग, आरामदायक स्थिति और डकार दिलाने की प्रक्रिया को समझाया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य था जनसमुदाय में स्तनपान के प्रति सकारात्मक सोच को बढ़ावा देना तथा एक सहयोगात्मक वातावरण तैयार करना जिससे माताएं सहजता से स्तनपान करवा सकें।

जागरूकता अभियान

राष्ट्रीय सेवा योजना

जागरूकता अभियान के अंतर्गत पोस्टर प्रस्तुति करती स्वयंसेविकाएं

दिनांक : 11 अगस्त, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय के अंतर्गत संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की माता अनुसुईया इकाई द्वारा दिनांक 11 अगस्त 2025 को खतरीपुरा ग्राम में जागरूकता अभियान का सफल आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम का मुख्य

उद्देश्य ग्रामीण समुदाय में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाना नशा मुक्ति के महत्व को रेखांकित करना और स्वस्थ जीवनशैली को अपनाने के लिए प्रेरित करना था। गाँव में आयोजित इस जागरूकता अभियान के अंतर्गत स्वयंसेवकों ने मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों और उससे संबंधित बीमारियों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। इसके लिए पोस्टर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसमें चित्रात्मक एवं सूचनात्मक सामग्री के माध्यम से यह समझाया गया कि नशे की लत न केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती है बल्कि परिवार और समाज पर भी इसका नकारात्मक असर पड़ता है। उपस्थित ग्रामीणों को यह भी बताया गया कि नशा मुक्ति केवल व्यक्तिगत इच्छा शक्ति से संभव है और इसके लिए सामुदायिक सहयोग अत्यंत आवश्यक है। अभियान के दौरान स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता पर भी विशेष बल दिया गया। स्वयंसेवकों ने संतुलित एवं पोषक तत्वों से युक्त आहार के महत्व को विस्तार से समझाया ताकि लोग अपने दैनिक भोजन में प्रोटीन विटामिन खनिज और पर्याप्त मात्रा में जल का समावेश कर सकें। ग्रामीणों को यह भी बताया गया कि कुपोषण से बचने के लिए मौसमी फल एवं सब्जियों का सेवन करना चाहिए जो स्थानीय स्तर पर आसानी से उपलब्ध होते हैं। कार्यक्रम में राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस को लेकर भी उत्साह दिखाई दिया। स्वयंसेवकों ने आगामी 15 अगस्त 2025 स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ग्रामवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं और हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत सभी से अपने–अपने घरों पर तिरंगा ध्वज फहराने का आग्रह किया। इस पहल का उद्देश्य देशभक्ति की भावना को प्रोत्साहित करना और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करना था।

अभियान के दौरान ग्रामवासियों ने न केवल सक्रिय रूप से भाग लिया, बल्कि कई लोगों ने यह संकल्प भी लिया कि वे नशा मुक्ति के संदेश को अपने परिवार और आसपास के लोगों तक पहुँचाएँगे। ग्रामीण महिलाओं और युवाओं ने विशेष रूप से इस कार्यक्रम की सराहना की और इसे अत्यंत उपयोगी बताया।

इस जागरूकता अभियान में माता अनुसुईया इकाई की सभी स्वयंसेविकाएँ पूर्ण समर्पण और उत्साह के साथ उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम का संपूर्ण संचालन इकाई की कार्यक्रम अधिकारी सुश्री सुमन यादव के मार्गदर्शन और देखरेख में संपन्न हुआ। उन्होंने ग्रामीण समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि स्वस्थ शरीर और सकारात्मक सोच से ही समाज में प्रगति संभव है और इसके लिए जागरूकता तथा अनुशासन दोनों आवश्यक हैं।

अंत में यह कार्यक्रम न केवल एक जागरूकता पहल के रूप में सफल रहा बल्कि ग्रामवासियों के मन में स्वास्थ्य स्वच्छता नशा मुक्ति और राष्ट्रीय एकता के प्रति एक नई सोच का संचार भी कर गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना की यह गतिविधि विश्वविद्यालय के सामाजिक उत्तरदायित्व और जनकल्याण के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

एंटी-रैगिंग दिवस

राष्ट्रीय सेवा योजना

स्वयंसेवकों को सम्बोधित करते हुए डॉ. प्रवीण कुमार सिंह

दिनांक : 12 अगस्त, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के फार्मेसी संकाय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की माता शबरी इकाई द्वारा एंटी–रैगिंग दिवस के अवसर पर जागरूकता अभियान एवं शैक्षणिक नाट्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय परिसर को भय–मुक्त एवं सम्मानजनक बनाना तथा छात्रों में आपसी सहयोग, मित्रता और सकारात्मक वातावरण को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम में फार्मास्यूटिकल साइंसेज संकाय के सहायक प्राध्यापक श्री प्रवीण कुमार सिंह मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने रैगिंग के दुष्प्रभावों एवं संबंधित कानूनी प्रावधानों पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि रैगिंग मानसिक, शारीरिक अथवा भावनात्मक उत्पीड़न का स्वरूप है, जो न केवल छात्रों के आत्मविश्वास को कमजोर करता है, बल्कि उनके मानसिक स्वास्थ्य एवं शैक्षिक प्रगति पर भी गंभीर प्रभाव डालता है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि भारत में रैगिंग एक दंडनीय अपराध है, जिसके लिए कठोर दंड तथा निष्कासन तक का प्रावधान है।

कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अमित उपाध्याय के निर्देशन में कार्यक्रम का सफल संचालन किया गया। कार्यक्रम में फार्मेसी विभाग की शिक्षिका सुश्री जूही तिवारी भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने प्रथम वर्ष के छात्रों के साथ मिलकर "से नो टू रैगिंग" विषय पर एक प्रभावशाली नाट्य प्रस्तुति दी, जिसमें रैगिंग के दुष्परिणामों एवं मित्रतापूर्ण वातावरण की आवश्यकता को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया।

इस अवसर पर सभी स्वयंसेवकों एंव छात्रों ने सामूहिक रूप से "रैगिंग छोड़ें, दोस्ती जोड़ें" का संकल्प लिया तथा एक सुरक्षित, सकारात्मक एवं आनंदमय शैक्षणिक वातावरण बनाने का प्रण किया।

नशामुक्ति अभियान

राष्ट्रीय सेवा योजना

नशामुक्ति का शपथ ग्रहण करते हुए स्वयंसेवक एवं शिक्षकगण

दिनांक : 13 अगस्त, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर अन्तर्गत गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, आयुर्वेद कॉलेज में आज अगद तंत्र विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना अष्टावक्र इकाई, आत्रेय इकाई और भारद्वाज इकाई के संयुक्त तत्वावधान में नशा मुक्ति अभियान के अन्तर्गत विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ नशा मुक्ति शपथ के साथ हुआ, जिसमें आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय ने नशामुक्ति शपथ सभी विद्यार्थियों और संकाय दिलाते हुए कहा कि युवा किसी भी राष्ट्र की ऊर्जा होते हैं तथा युवाओं की शक्ति का समाज एवं देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। अतः यह अति आवश्यक है कि नशामुक्त भारत अभियान में सर्वाधिक संख्या में युवा जुड़े। देश की इस चुनौती को स्वीकार करते हुए हम आज नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत एक जुट होकर प्रतिज्ञा करते हैं कि न केवल समुदाय, परिवार, मित्र, बल्कि स्वयं को भी नशामुक्त कराएँगे क्योंकि बदलाव की शुरुआत अपने आप से होनी चाहिए। इसलिए आइए हम सब मिलकर अपने जिले गोरखपुर और राज्य उत्तर प्रदेश को नशामुक्त कराने का दृढ निश्चय करें। मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि अपने देश को नशामुक्त करने के लिए अपनी क्षमता के अनुसार हर सम्भव प्रयास करूँगा। दिग्विजय नाथ चिकित्सालय के निदेशक डॉ अवनीश दूबे ने कहा हम सभीस्वयं नशे से दूर रहेंगे तथा समाज में नशा मुक्ति के प्रति जनजागरण करेंगे। हम सभी चिकित्सक अहम भूमिका इसमें निभा सकते हैं। इसके पश्चात् काय–चिकित्सा विभागाध्यक्ष द्वारा 'नशे के दुष्प्रभाव एवं निवारण' विषय पर प्रेरक व्याख्यान दिया गया। उन्होंने नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्परिणामों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए युवाओं को स्वस्थ एवं संयमित जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने नशा मुक्ति अभियान को सफल बनाने के लिए अपने विचार प्रस्तुत किए अंत में प्राचार्य महोदय ने सभी को नशा मुक्त समाज निर्माण हेतु सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।कार्यक्रम का संचालन डॉ मुस्कान ने किया। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ गिरिधर वेदांतम, उप प्राचार्य डॉ सुमित, अगद तंत्र विभागाध्यक्ष डॉ रश्मि पुष्पन, डॉ शांति भूषण, डॉ अर्पित, सहित सभी प्राध्यापक, चिकित्सक कर्मचारी एवं सभी स्वयंसेवकों एवं स्वयंसेविकाओं ने भाग लिया कार्यक्रम का नेतृत्व कार्यक्रम अधिकारी श्री साध्वी नन्दन पाण्डेय, डॉ. श्रीनाथ आर., डॉ. वैशाख आर. ने किया।

स्वतंत्रता दिवस समारोह

राष्ट्रीय सेवा योजना

स्वतंत्रता दिवस में सांस्कृतिक प्रस्तुति देते स्वयंसेवक एवं सम्बोधित करते हुए डॉ. अनुराग श्रीवास्तव

दिनांक : 15 अगस्त, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में स्वतन्त्रता दिवस समारोह बड़े हर्षोल्लास और देशभक्ति की भावना के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रातः 9:00 बजे ध्वजारोहण के साथ हुआ। ध्वजारोहण उपरान्त विश्वविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की माता अनुसुइया इकाई की स्वयंसेविकाओं द्वारा राष्ट्रगान का सामूहिक गायन किया गया। वातावरण 'वन्दे मातरम और 'भारत माता की जय' के नारों से गूंज उठा। इसके पश्चात माता शबरी इकाई के स्वयंसेवकों द्वारा अनुशासित परेड का आकर्षक प्रदर्शन किया गया। तालमेल और अनुशासन के साथ प्रस्तुत मार्च पास्ट ने सभी उपस्थितजनों को मंत्रमुग्ध कर दिया। परेड के उपरान्त सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में आर्यभट्ट इकाई की स्वयंसेविका सोनाली तिवारी ने सरस्वती वन्दना की मनोहारी प्रस्तुति दी। तत्पश्चात स्वयंसेविका जान्हवी एवं उनके समूह ने विश्वविद्यालय कुलगीत प्रस्तुत किया। मैत्रेयी इकाई की स्वयंसेविका द्वारा गणेश वन्दना का भावपूर्ण गायन किया गया। माता शबरी इकाई ने देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत आर्मी नृत्य वाटिका की प्रस्तुति दी। इसके साथ ही पारिजात इकाई के स्वयंसेवकों ने सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। शिवाजी इकाई की स्वयंसेविका ईशानी श्रीवास्तव ने एकल गीत प्रस्तुत किया जबकि अन्य स्वयंसेवकों ने सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किया। गार्गी इकाई की स्वयंसेविका एकता पाठक ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत कर वातावरण को भावनात्मक बना दिया। कार्यक्रम में आर्यभट्ट इकाई के स्वयंसेवकों ने देशभक्ति नाटक प्रस्तुत किया, जिसमें स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष और बलिदान का जीवंत चित्रण किया गया। कार्यक्रम का समापन माता अनुसुइया इकाई की स्वयंसेविकाओं द्वारा 'वन्दे मातरम्' के गायन के साथ हुआ। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के अमूल्य बलिदानों को स्मरण करते हुए विद्यार्थियों को राष्ट्रप्रेम, कर्तव्यनिष्ठा और समाजसेवा के मार्ग पर अग्रसर होने का आह्वान किया। वक्ताओं ने यह भी कहा कि स्वतंत्रता केवल एक अवसर नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की जिम्मेदारी है। स्वयंसेवकों ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए और देशभक्ति गीतों एवं नारों से सभी को प्रेरित किया। कुछ स्वयंसेवकों ने स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन प्रसंगों पर संक्षिप्त वक्तव्य दिया, जिससे समारोह और भी प्रेरणादायी बन गया। परेड और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के उपरान्त जलपान की व्यवस्था की गई। जलपान का वितरण स्वयंसेवकों ने अनुशासन और सहयोग की भावना के साथ सम्पन्न किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के बीच आत्मीय संवाद हुआ, जिससे पारस्परिक सहयोग और सौहार्द का वातावरण निर्मित हुआ। कार्यक्रम की सफलता हेतु विश्वविद्यालय प्रशासन एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों के संयोजकों ने पूर्व से ही सभी आवश्यक तैयारियाँ कर ली थीं। ध्वज स्थल की सजावट, बैठने की व्यवस्था और सुरक्षा की दृष्टि से विशेष ध्यान रखा गया। साथ ही कार्यक्रम में सहयोग प्रदान करने वाले सभी स्वयंसेवकों को सम्मानित भी किया गया। यह आयोजन केवल औपचारिकता तक सीमित न रहकर छात्रों एवं स्वयंसेवकों को देशप्रेम, अनुशासन, सेवा और एकता के मूल्यों से परिचित कराने वाला अविस्मरणीय अवसर सिद्ध हुआ।

एंटी-रैगिंग जागरूकता अभियान

राष्ट्रीय सेवा योजना

स्वयंसेवकों को सम्बोधित करती सुश्री रूपल त्रिपाठी

दिनांक : 18 अगस्त, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर अन्तर्गत गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, आयुर्वेद कॉलेज में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की अष्टावक्र, आत्रेय एवं भारद्वाज इकाई के संयुक्त तत्वाधान में रैगिंग मुक्त परिसर बनाए और मित्रता की ओर हाथ बढ़ाए विषय पर आयोजित व्याख्यान कार्यक्रम के साथ एंटी रैगिंग सप्ताह के अन्तिम दिवस व्याख्यान समारोह का आयोजन किया गया।

समारोह की मुख्य अतिथि वरिष्ठ अधिवक्ता सुश्री रूपल त्रिपाठी ने अपने उद्बोधन में कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर का परिसर रैगिंग मुक्त है और आगे भी रहे ऐसा मनसा वाचा कर्मणा प्रयास करना चाहिए। रैगिंग न केवल दंडनीय अपराध है, बल्कि यह विद्यार्थियों की मानवीय गरिमा और शैक्षिक वातावरण को भी ठेस पहुँचाती है। विद्यार्थियों को मित्रता, सहयोग और आपसी सम्मान की भावना के साथ शिक्षा के लक्ष्य की ओर बढ़ना चाहिए। अध्यक्षीय भाषण देते हुए डा गोपीकृष्ण आचार्य ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन सदैव रैगिंग की रोकथाम के लिए कृतसंकल्प है और किसी भी शिकायत पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

विद्यार्थियों ने ऐंटी रैगिंग विषय नाट्य मंचन और पोस्टर भी प्रस्तुत किए। सप्ताह कार्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त किए विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र भेंट किए गए। डॉ प्रिया नायर ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संयोजन और संचालन क्रमशः डॉ दीपू मनोहर, डॉ मिनी और और खुशी उपाध्याय ने किया।

समारोह में डॉ टी. एम. त्रिपाठी, डॉ अवनीश ,डॉ. साध्वी नन्दन पाण्डेय, डॉ. देवी, , डॉ अर्पित, सहित सभी प्राध्यापकगण, चिकित्सक और स्वयंसेवक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का नेतृत्व कार्यक्रम अधिकारी श्री साध्वी नन्दन पाण्डेय, डॉ. श्रीनाथ आर., डॉ. वैशाख आर. ने किया।

विश्वविद्यालय स्थापना दिवस समारोह

राष्ट्रीय सेवा योजना

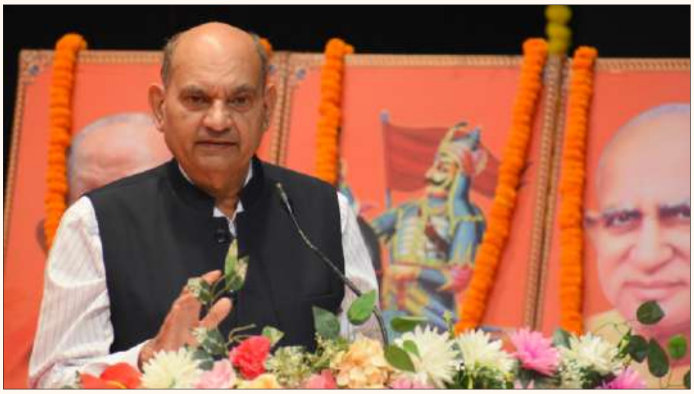

स्थापना दिवस समारोह में विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेयी

दिनांक : 28 अगस्त, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के चतुर्थ स्थापना दिवस समारोह का आयोजन विश्वविद्यालय प्रांगण में अत्यन्त गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस आयोजन में राष्ट्रीय सेवा योजना की वार्षिक विवरणिका सेवापथ 2024–25 का विमोचन किया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार के सभी संकाय, प्राध्यापकगण, कर्मचारी एवं छात्र–छात्राओं की सक्रिय सहभागिता रही। स्थापना दिवस का यह ऐतिहासिक अवसर न केवल विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का स्मरण कराता है, बल्कि भावी लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु नए संकल्प लेने का भी अवसर प्रदान करता है। समारोह के सफल आयोजन में राष्ट्रीय सेवा योजना की पारिजात इकाई, शिवाजी इकाई, माता शबरी इकाई, आर्यभट्ट इकाई एवं माता अनुसुइया इकाई के स्वयंसेवकों का विशेष योगदान रहा।

स्वयंसेवकों ने अतिथियों तथा आगन्तुकों के लिए जलपान एवं बैठक व्यवस्था का अत्यन्त कुशलता और अनुशासन के साथ संचालन किया। उन्होंने सभी

अतिथियों को समय पर आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराकर विश्वविद्यालय की सुसंस्कृत परम्परा और सेवा–भाव को उजागर किया। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए संगठन, अनुशासन एवं सेवा भावना का आदर्श प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन डॉ. आयुष कुमार पाठक, श्री अनिल कुमार पटेल, डॉ. अमित उपाध्याय, डॉ. रश्मि झा एवं सुश्री सुमन यादव द्वारा किया गया। इनके मार्गदर्शन में स्वयंसेवकों ने न केवल आतिथ्य सत्कार एवं व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न किया, बल्कि स्थापना दिवस समारोह को गरिमामयी बनाने में भी अपनी उल्लेखनीय भूमिका निभाई। समारोह का संपूर्ण आयोजन एवं संचालन डॉ. अखिलेश कुमार दूबे, कार्यक्रम समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। उनके कुशल नेतृत्व एवं समन्वय से सभी इकाइयों के स्वयंसेवकों ने आपसी सहयोग और सामंजस्य के साथ कार्य कर यह सिद्ध किया कि सामूहिक प्रयासों से किसी भी आयोजन को सफल बनाया जा सकता है। चतुर्थ स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में विश्वविद्यालय की विगत वर्षों की शैक्षणिक, अनुसंधानात्मक एवं सामाजिक उपलब्धियों का उल्लेख किया गया तथा भविष्य की विकास योजनाओं की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। यह दिवस न केवल विश्वविद्यालय के लिए गौरव का विषय रहा, बल्कि स्वयंसेवकों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत सिद्ध हुआ, जिन्होंने सेवा एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना के साथ अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की। अन्त में, कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहयोग प्रदान करने वाले सभी प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण एवं स्वयंसेवकों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर ने यह पुनः सिद्ध किया कि राष्ट्रीय सेवा योजना के आदर्श "निःस्वार्थ सेवा, अनुशासन एवं सामाजिक उत्तरदायित्व" दृ किसी भी आयोजन को सफल बनाने में सदैव मार्गदर्शक सिद्ध होते हैं।

राष्ट्रीय खेल दिवस

राष्ट्रीय सेवा योजना

खेल प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते हुए स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाएं

दिनांक : 29 अगस्त, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत चिकित्सा विज्ञान संकाय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की शिवाजी इकाई एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर के संयुक्त तत्वाधान में मेजर ध्यान चन्द की जयन्ती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय खेल दिवस 2025 के अवसर पर शपथ ग्रहण एवं खेल–कूद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता का शुभारंभ चिकित्सा विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डा.चंद्र शेखर मूर्ति ने भगवान श्रीगणेश की पूजा अर्चना कर खेल दिवस पर शपथ ग्रहण कराया। चिकित्सा विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ चंद्रशेखर मूर्ति बी.बी ने कहा कि राष्ट्रीय खेलो का मुख्य उद्देश्य केवल विजेता चुनना नहीं होता, बल्कि युवाओं को एकजुट करना, उनमें खेल भावना का विकास करना और उनके सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करना होता है। एनसीसी और एनएसएस के माध्यम से युवा न केवल शारीरिक रूप से सशक्त बनते हैं, बल्कि सामाजिक और नैतिक रूप से भी मजबूत बनते हैं। हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में खेलों के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने और खिलाड़ियों को सम्मानित करने के लिए समर्पित है। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर एनसीसी और एनएसएस की शिवाजी इकाई की प्रतियोगिताएँ युवाओं में शारीरिक क्षमता, टीम भावना और अनुशासन का संचार करती हैं। इन प्रतियोगिताओं में दौड़, सेक रेस, कबड्डी, टग ऑफ वॉर, पिट्ठू खेल से मैत्रीय भावना का संदेश दिया। प्रतियोगिता में विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया, जिनमें गर्ल्स 200 मीटर रेस, ब्वॉयज 200 मीटर रेस, गर्ल्स 400 मीटर रेस, बॉयज 400 मीटर रेस, टग ऑफ वॉर बॉयज, टग ऑफ वॉर गर्ल्स, शेक रेस बॉयज 50 मीटर, शेक रेस गर्ल्स 50 मीटर शामिल रहा। ब्याज कबड्डी, गर्ल्स कबड्डी और पिट्ठू गेम में सभी कैडेट्स और स्वयंसेवकों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

खेल प्रतियोगिता में 200 मीटर गर्ल्स दौड़ में राष्ट्रीय सेवा योजना की शिवाजी इकाई की स्वयंसेविका रविता पासवान ने प्रथम , राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट संजना शर्मा, एवं अस्मिता सिंह ने द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया।

200 मीटर दौड़ ब्याज में राष्ट्रीय कैडेट कोर के छात्र अरुण विश्वकर्मा ने प्रथम एवं आदित्य सिंह ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया तथा शिवाजी इकाई के स्वयंसेवक अविनाश पांडेय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 400 मीटर दौड़ गर्ल्स में राष्ट्रीय कैडेट कोर की छात्रा संजना शर्मा ने प्रथम एवं शिवाजी इकाई की स्वयंसेविका, रविता पासवान, कैडेट अस्मिता सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 400 मीटर ब्याज दौड़ में शिवाजी इकाई के स्वयंसेवक तन्मय ने प्रथम एवं कैडेट अरुण विश्वकर्मा, सूरज कुमार ने द्वितीय एवं। तृतीय स्थान प्राप्त किया। शेक रेस ब्वॉयज में स्वयंसेवक तन्मय प्रथम, प्रशांत जायसवाल द्वितीय एवं कैडेट आदित्य सिंह तृतीय स्थान प्राप्त किया। शेक रेस गर्ल्स में स्वयंसेविका सृष्टि यादव ने प्रथम एवं, कैडेट छात्र खुशी यादव एवं अस्मिता सिंह द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया।

कबड्डी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान राष्ट्रीय कैडेट कोर के छात्र एवं द्वितीय स्थान शिवाजी इकाई के स्वयंसेवक प्राप्त किया। पिट्ठू प्रतियोगिता में शिवाजी इकाई के स्वयंसेवकों ने श्रेष्ठ प्रदर्शन किया। जिसमें स्वयंसेवक अखंड , अंतेश ,प्रशांत, राज ,नितिन ,करन,आयुष सिंह, सिद्धार्थशुक्ला, सिद्धार्थ सिंह, रत्नेश विजेता रहे। टग ऑफ वार गर्ल्स में शिवाजी इकाई की स्वयंसेवकों ने प्रथम तथा राष्ट्रीय कैडेट कोर की छात्राओं ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। टग ऑफ वार ब्वॉयज में राष्ट्रीय कैडेट कोर प्रथम एवं शिवाजी इकाई के स्वयंसेवक ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

प्रतियोगिता में डॉ अभिनव सिंह राठौर,और पीयूष यादव निर्णायक रहे । प्रतियोगिता में राष्ट्रीय कैडेट

कोर के एसोशिएट एन सी सी ऑफिसर लेफ्टिनेंट डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव,एन एस एस समन्वयक डॉ अखिलेश दुबे, और शिवाजी इकाई के कार्यक्रम अधिकारी श्री अनिल चंद्रवंशी ने प्रतियोगिता में सम्मिलित सभी कैडेट्स और स्वयं सेवकों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए खेल भावना से अपनी क्षमता, प्रदर्शन से श्रेष्ठ प्रदर्शन करने का सामंजस्य संकल्प दिलाया । प्रतियोगिता में प्रमुख रूप से अभिषेक मिश्रा, आलोक दीक्षित, मनीष गुप्ता, वसुंधरा सिंह, ममता गुप्ता, विवेकानंद , आदित्य पांडेय , सूरज दुबे , अखंड, सृष्टि आदि ने सहयोग किया।

प्रमाण-पत्र वितरण समारोह

राष्ट्रीय सेवा योजना

स्वयंसेविकों को सम्बोधित करते हुए कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आयुष कुमार पाठक

दिनांक : 30 अगस्त, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के कृषि संकाय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की पारिजात इकाई द्वारा प्रमाणपत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य एनएसएस गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित करना तथा उन्हें भविष्य में समाज सेवा हेतु प्रोत्साहित करना था।

इस अवसर पर कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे ने अपने उद्बोधन में कहा कि एनएसएस विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता का विकास करने वाला सशक्त मंच है, जो उन्हें समाज एवं राष्ट्र निर्माण में योगदान हेतु तैयार करता है।

समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दुबे ने अपने संबोधन में कहा कि एनएसएस से जुड़ने से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास का विकास होता है तथा यह कार्यक्रम समाज को नई दिशा देने में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आयुष कुमार पाठक ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि एनएसएस विद्यार्थियों में समाज सेवा की भावना जागृत करता है और उन्हें संवेदनशील एवं जिम्मेदार नागरिक बनाता है। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने विभिन्न शिविरों एवं परियोजना कार्यों से प्राप्त अपने अनुभव साझा किए, जिससे अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरणा प्राप्त हुई।

कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. आयुष कुमार पाठक द्वारा किया गया। इस अवसर पर एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी, संकाय के शिक्षकगण डॉ. विकास यादव, डॉ. सस्वती प्रेमकुमारी, डॉ. नवनीत सिंह, डॉ. सच्चिदानंद सिंह, फार्म सहायक श्री सुरेश निषाद तथा संकाय के सभी छात्र–छात्राएँ उपस्थित रहें।

एक दिवसीय शिविर

राष्ट्रीय सेवा योजना

एक दिवसीय शिविर के अंतर्गत आयोजित स्वास्थ्य कैम्प में मरीजों को स्वास्थ्य परीक्षण करते स्वयंसेवक

दिनांक : 30 अगस्त, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय अंतर्गत पैरामेडिकल विभाग में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की महंत अवेद्यनाथ इकाई के स्वयंसेवकों द्वारा ग्राम मनीराम में एक दिवसीय शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

इस शिविर का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के प्रति जागरूक करना तथा प्राथमिक स्तर पर आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण उपलब्ध कराना था। कार्यक्रम के अंतर्गत गाँव के विभिन्न आयु वर्ग के लोगों, जिनमें वृद्ध, वयस्क पुरुष एवं महिलाएँ शामिल थीं, का ब्लड प्रेशर एवं शुगर परीक्षण किया गया। परीक्षण के दौरान यह पाया गया कि ग्रामीण जनसंख्या का एक महत्वपूर्ण हिस्सा ब्लड प्रेशर एवं डायबिटीज जैसी समस्याओं से ग्रसित है। इस संदर्भ में चिकित्सकीय परामर्श प्रदान करते हुए लोगों को इन रोगों के कारण, लक्षण, रोकथाम एवं जीवनशैली सुधार के उपायों के प्रति जागरूक किया गया। यह शिविर नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय की डीन डा. डी. एस. अजीथा तथा प्राचार्य डा. रोहित कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

शिविर का संचालन महंत अवेद्यनाथ इकाई के कार्यक्रम अधिकारी धीरज कुमार के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ।

शिविर की सफलता में निम्नलिखित स्वयंसेवकों का विशेष योगदान रहा, विजय कुमार, मनीष कुमार, निशा, अनुराग, सुर्यांश, सुमित, राधा जसवाल, श्रेया, विनय, राधिका, अनुराधा, आयुषी चौबे, तृप्ति यादव, उर्मिला, निशा यादव तथा सोनाली। इन स्वयंसेवकों ने न केवल स्वास्थ्य परीक्षण की प्रक्रिया में सहयोग किया, बल्कि ग्रामीणों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्रदान करने एवं उन्हें रोग–निवारण उपाय अपनाने के लिए प्रेरित करने में भी सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम में उपस्थित प्राध्यापकों एवं संयोजकों ने स्वयंसेवकों की निष्ठा एवं कार्यकुशलता की सराहना की।

साथ ही ग्रामीणों ने भी इस पहल का स्वागत करते हुए इसे अपने स्वास्थ्य सुधार के लिए अत्यंत लाभकारी बताया।

इस प्रकार, महंत अवेद्यनाथ इकाई द्वारा आयोजित यह एक दिवसीय शिविर न केवल स्वास्य परीक्षण तक सीमित रहा, बल्कि इसने ग्रामवासियों में स्वास्थ्य के प्रति सजगता, अनुशासन एवं जागरूकता की नई भावना भी जागृत की।

राष्ट्रीय कैडेट कोर

विश्वविद्यालय स्तर पर प्रथम प्री-स्क्रीनिंग

प्रथम प्री–स्क्रीनिंग में कैडेट्स के शारीरिक परीक्षण कराते हुए डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव

दिनांक : 07 अगस्त, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में संचालित 102 यू पी बटालियन राष्ट्रीय कैडेट कोर में नव नामांकन के लिए प्री–स्क्रीनिंग से शारीरिक दक्षता प्रतियोगिता में 378 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्री स्क्रीनिंग के प्रथम चरण में शारीरिक दक्षता के विविध चरणों में विद्यार्थियों ने स्वयं को सिद्ध करने का उत्साह दिखाया ।

एसोशिएट एनसीसी ऑफिसर लेफ्टिनेंट डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को प्री स्क्रीनिंग के नियमों की जानकारी देते हुए कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर सैन्य सेवा में प्रवेश का मुख्य द्वार है जहाँ से राष्ट्र के भविष्य निर्माता अपने सफर की शुरुआत करते हैं। यह केवल एक चयन प्रक्रिया नहीं, बल्कि एक आदर्श कैडेट के निर्माण की पहली सीढ़ी है। जो छात्र इसे गंभीरता से लेते हैं, वे न केवल एनसीसी में, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में अग्रणी बनते हैं।राष्ट्रीय कैडेट कोर युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व और राष्ट्रभक्ति की भावना को प्रबल करने वाला एक प्रतिष्ठित संगठन है। एनसीसी की विभिन्न गतिविधियों और प्रशिक्षणों में सम्मिलित होने से पहले छात्रों को प्री स्क्रीनिंग से शारीरिक दक्षता प्रतियोगिता से गुजरना होता है। प्री–स्क्रीनिंग में दृढ़ निष्ठा, शारीरिक योग्यता और मानसिक तत्परता की परख होती हैं।

एनसीसी प्री–स्क्रीनिंग में कैडेट्स का चयन विभिन्न चरणों के माध्यम से किया जाता है, जिसमें उनकी शारीरिक क्षमता, मानसिक सजगता, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता तथा संगठन के प्रति समर्पण की परीक्षा ली जाती है। शारीरिक परीक्षण में उठक–बैठक, पुश–अप्स, लंबी कूद आदि गतिविधियाँ कराई जाती हैं। इसका उद्देश्य छात्रों की शारीरिक क्षमता और सहनशक्ति का मूल्यांकन करना होता है।

प्री–स्क्रीनिंग में विद्यार्थियों के अंदर छिपी शक्ति, प्रतिबद्धता और नेतृत्व क्षमता का परीक्षण होता हैं । स्क्रीनिंग में प्रमुख रूप से कॉरपोरल अभिषेक चौरसिया, विकास यादव , नीलेश यादव, अभिषेक मिश्रा , अरुण विश्कर्मा, आलोक दीक्षित, आशुतोष मणि त्रिपाठी , सूरज कुमार, विकास यादव, पार्वती साहनी, वसुंधरा सिंह, ममता गुप्ता, आलोक दीक्षित, अरुण विश्वकर्मा ,उजाला सिंह, प्रीति शर्मा, गुड़िया कुशवाहा, हर्षव साहनी, अंजलि सिंह, अनुभव पांडे, मानसी, ममता, संजना शर्मा, पार्वती साहनी , अतीका तिवारी, आलोक दीक्षित, विवेक , शालिनी शर्मा, मनीष गुप्ता, वसुंधरा सिंह, भानु प्रताप सिंह , आदर्श मौर्या, ने अपनी भूमिका का निर्वहन करते हुए उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

बटालियन स्तर पर प्री-स्क्रीनिंग

राष्ट्रीय कैडेट कोर

प्री–स्क्रीनिंग के अंतर्गत कैडेट्स का शारीरिक एवं मानसिक स्तर पर परीक्षण करते हुए जेसीओ सुबेदार धरेश माने

दिनांक : 12 अगस्त, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में राष्ट्रीय कैडेट कोर में नव नामांकन के लिए 102 यू पी बटालियन के सैन्य अधिकारियों की देख रेख में स्क्रीनिंग शारीरिक दक्षता प्रतियोगिता पूर्ण हुआ। स्क्रीनिंग परीक्षा में 187 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। स्क्रीनिंग दक्षता के विविध चरणों में विद्यार्थियों ने स्वयं को सिद्ध करने का उत्साह दिखाया।

बटालियन के जेसीओ सूबेदार धरेश माने ने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व और राष्ट्रभक्ति की भावना को प्रबल करने वाला एक प्रतिष्ठित संगठन है। प्री–स्क्रीनिंग में दृढ़ निष्ठा, शारीरिक योग्यता और मानसिक तत्परता की परख होती हैं।

एनसीसी प्री–स्क्रीनिंग में कैडेट्स का चयन विभिन्न चरणों के माध्यम से किया जाता है, जिसमें उनकी शारीरिक क्षमता, मानसिक सजगता, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता तथा संगठन के प्रति समर्पण की परीक्षा ली जाती है।

शारीरिक परीक्षण में उठक–बैठक, पुश–अप्स, लंबी कूद आदि गतिविधियाँ कराई जाती हैं। इसका उद्देश्य छात्रों की शारीरिक क्षमता और सहनशक्ति का मूल्यांकन करना होता है।

प्री–स्क्रीनिंग में विद्यार्थियों के अंदर छिपी शक्ति, प्रतिबद्धता और नेतृत्व क्षमता का परीक्षण होता हैं। एसोशिएट एन सी सी ऑफिसर लेफ्टिनेंट डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को प्री स्क्रीनिंग के नियमों की जानकारी देते हुए कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर सैन्य सेवा में प्रवेश का मुख्य द्वार है जहाँ से राष्ट्र के भविष्य निर्माता अपने सफर की शुरुआत करते हैं। यह केवल एक चयन प्रक्रिया नहीं, बल्कि एक आदर्श कैडेट के निर्माण की पहली सीढ़ी है। जो छात्र इसे गंभीरता से लेते हैं, वे न केवल एनसीसी में, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में अग्रणी बनते हैं।

एनसीसी की विभिन्न गतिविधियों और प्रशिक्षणों में सम्मिलित होने से पहले छात्रों को प्री स्क्रीनिंग से शारीरिक दक्षता प्रतियोगिता से गुजरना होता है।

हवलदार अजीत.ए .राज भर्ती परीक्षा में सम्मिलित सभी विद्यार्थियों की शारिरिक दक्षता और कुशलता के आधार पर चयन प्रक्रिया को पूर्ण करते हुए विद्यार्थियों को एन सी सी में भर्ती होने के लिए प्रोत्साहित किया।

स्क्रीनिंग में प्रमुख रूप से अंडर आफिसर मोती लाल, कॉरपोरल अभिषेक चौरसिया,

विकास यादव , नीलेश यादव, अभिषेक मिश्रा ,अरुण विश्कर्मा, आलोक दीक्षित, आशुतोष मणि त्रिपाठी , सूरज कुमार, विकास यादव, पार्वती साहनी, वसुंधरा सिंह, ममता गुप्ता, आलोक दीक्षित, अरुण विश्वकर्मा ,उजाला सिंह, प्रीति शर्मा, गुड़िया कुशवाहा, हर्षव साहनी, अंजलि सिंह, अनुभव पांडे, मानसी, ममता, संजना शर्मा, पार्वती साहनी , अतीका तिवारी, आलोक दीक्षित, विवेक , शालिनी शर्मा, मनीष गुप्ता, वसुंधरा सिंह, भानु प्रताप सिंह , आदर्श मौर्या, ने अपनी भूमिका का निर्वहन करते हुए उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

स्वतंत्रता दिवस समारोह

राष्ट्रीय सेवा योजना

स्वतंत्रता दिवस में बाघा बॉर्डर रिट्रीट परेड करते हुए कैडेट्स

दिनांक : 15 अगस्त, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में 79वां स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह और देशभक्ति के वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय परिसर में मुख्य अतिथि डॉ अनुराग श्रीवास्तव प्राचार्य गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल कालेज के द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ। राष्ट्रीय कैडेट् कोर 102 यू पी बटालियन गोरखपुर द्वारा बाघा बॉर्डर रिट्रीट परेड, गार्ड ऑफ आनर और राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों के द्वारा प्रस्तुत परेड आकर्षण का केंद्र रहा। ध्वजारोहण के उपरांत मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बलिदान को स्मरण करते हुए कहा कि हम नया एमजीयूजी बनाएंगे जो राष्ट्र प्रथम की भावना से युक्त नए राष्ट्र का निर्माण करेगा।आज का दिन हमें न केवल आजादी के महत्व की याद दिलाता है, बल्कि राष्ट्र निर्माण में हमारे कर्तव्यों और योगदान के लिए प्रेरित भी करता है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे शिक्षा, सेवा और अनुशासन के माध्यम से देश की प्रगति में सक्रिय भूमिका निभाएं। हम डिजिटल, हरित, स्वच्छ और स्वस्थ भारत बनाएंगे । मुख्य अतिथि डॉ.अनुराग श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में स्वतंत्रता सेनानियों के अदम्य साहस, त्याग और राष्ट्र–निर्माण में प्रत्येक नागरिक की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, "स्वतंत्रता केवल अधिकार नहीं, बल्कि जिम्मेदारी भी है। हमें संविधान के मूल्योंकृन्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्वकृको जीवन में उतारना होगा। नई पीढ़ी से मेरा आह्वान है कि वे तकनीक, कृषि, शिक्षा और नवाचार के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी करें। एनसीसी कैडेट्स के द्वारा पहलगाम हमला और आपरेशन सिंदूर सभी में अदम्य साहस और देशभक्ति से ओत–प्रोत किया। कार्यक्रम का संचालन और संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना और राष्ट्रीय कैडेट कोर द्वारा किया गया । राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ अखिलेश दुबे के नेतृत्व में सभी इकाइयों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति में प्रतिभाग कर स्वतंत्रता दिवस समारोह को भव्यता दिया। समारोह का धन्यवाद ज्ञापन एसोशिएट एन सी सी ऑफिसर लेफिटनेंट डॉ. संदीप श्रीवास्तव ने किया। सांस्कृतिक प्रस्तुति का संचालन राशि , सृष्टि, सिद्धार्थ , अश्वनी यादव, आशीष और इशानी ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति, गणमान्य अधिकारी,विभिन्न संकायों के डीन, प्राचार्य, प्राध्यापकगण, कर्मचारी, विद्यार्थी सहित लेफ्टिनेंट (डॉ.) संदीप कुमार श्रीवास्तव सीनियर अंडर ऑफिसर सागर जायसवाल , अंडर ऑफिसर मोतीलाल कसौधन ,सार्जेंट खुशी गुप्ता ,कॉरपोरल अभिषेक चौरसिया ,लांस कॉरपोरल हर्षव कुमार साहनी,आशुतोष त्रिपाठी, आशुतोष सिंह ,अमित कुमार चौधरी , सागर यादव ,अनुभव ,खुशी यादव, चांदनी निषाद,शालिनी चौहान ,अस्मिता सिंह ,आंचल पाठक ,श्रद्धा उपाध्याय,निलेश कुमार यादव ,अभिषेक मिश्रा ,आलोक दिक्षित ,अनुभव पाण्डेय, शिखार पाण्डेय,आलोक सिंह , सूरज कुमार, अरुण विश्वकर्मा ,विवेकानंद यादव, विकास यादव,अरविंद विश्वकर्मा ,अनुराधा विश्वकर्मा, वसुंधरा सिंह ,उजाला सिंह,ममता

राष्ट्रीय खेल दिवस

राष्ट्रीय सेवा योजना

खेल प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते हुए कैडेट्स

दिनांक : 29 अगस्त, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत चिकित्सा विज्ञान संकाय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की शिवाजी इकाई एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर के संयुक्त तत्वाधान में मेजर ध्यान चन्द की जयन्ती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय खेल दिवस 2025 के अवसर पर शपथ ग्रहण एवं खेल–कूद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता का शुभारंभ चिकित्सा विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डा.चंद्र शेखर मूर्ति ने भगवान श्रीगणेश की पूजा अर्चना कर खेल दिवस पर शपथ ग्रहण कराया।

चिकित्सा विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ चंद्रशेखर मूर्ति बी.बी ने कहा कि राष्ट्रीय खेलो का मुख्य उद्देश्य केवल विजेता चुनना नहीं होता, बल्कि युवाओं को एकजुट करना, उनमें खेल भावना का विकास करना और उनके सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करना होता है। एनसीसी और एनएसएस के माध्यम से युवा न केवल शारीरिक रूप से सशक्त बनते हैं,बल्कि सामाजिक और नैतिक रूप से भी मजबूत बनते हैं। हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में खेलों के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने और खिलाड़ियों को सम्मानित करने के लिए समर्पित है। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर एनसीसी और एनएसएस की प्रतियोगिताएँ युवाओं में शारीरिक क्षमता, टीम भावना और अनुशासन का संचार करती हैं। इन प्रतियोगिताओं में दौड़, सेक रेस, कबड्डी, टग ऑफ वॉर, पिट्ठू खेल से मैत्रीय भावना का संदेश दिया।

प्रतियोगिता में विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया, जिनमें गर्ल्स 200 मीटर रेस, बॉयज 200 मीटर रेस, गर्ल्स 400 मीटर रेस, बॉयज 400 मीटर रेस, टग ऑफ वॉर बॉयज, टग ऑफ वॉर गर्ल्स, शेक रेस बॉयज 50 मीटर, शेक रेस गर्ल्स 50 मीटर शामिल रहा। ब्याज कबड्डी, गर्ल्स कबड्डी और पिट्ठू गेम में सभी कैडेट्स और स्वयंसेवकों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

खेल प्रतियोगिता में 200 मीटर गर्ल्स दौड़ में प्रथम रविता पासवान ,द्वितीय संजना शर्मा तृतीय अस्मिता सिंह, 200 मीटर दौड़ ब्याज में प्रथम अरुण विश्वकर्मा, द्वितीय आदित्य सिंह, तृतीय अविनाश पांडेय, 400 मीटर दौड़ गर्ल्स में प्रथम संजना शर्मा ,द्वितीय कविता पासवान, तृतीय अस्मिता सिंह, 400 मीटर ब्याज दौड़ में प्रथम तन्मय,द्वितीय अरुण विश्वकर्मा, तृतीय सूरज कुमार ,शेक रेस ब्याज में प्रथम तन्मय, द्वितीय–प्रशांत जायसवाल ,तृतीय– आदित्य सिंह, शेक रेस गर्ल्स में प्रथम सृष्टि यादव, द्वितीय– खुशी यादव, तृतीय स्थान पर अस्मिता सिंह रही।

कबड्डी प्रतियोगिता में राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट् विकास यादव, अमित चौधरी, मोती लाल, नीलेश यादव ,रितिक निषाद ,सूरज कुमार ,अमन चौरसिया ,अभिषेक चौरसिया ,शिखार पांडेय ,हर्षव साहनी,श्रद्धा उपाध्याय ,शालिनी चौहान ,खुशी गुप्ता ,अस्मिता ,संजना शर्मा ,अतीक तिवारी ,अंजलि सिंह,खुशी यादव ,चांदनी निषाद ,उजाला सिंह ने एन एस एस ब्याज और गर्ल्स को चुनौती दिया। पिट्ठू में रहा का दबदबा पिट्ठू प्रतियोगिता में एन एस एस ब्याज ने श्रेष्ठ प्रदर्शन किया जिसमें स्वयं सेवक अखंड , अंतेश ,प्रशांत ,राज ,नितिन ,करन,आयुष सिंह ,सिद्धार्थ शुक्ला ,सिद्धार्थ सिंह, रत्नेश विजेता रहे। टग ऑफ वार ब्याज में एन .सी. सी ब्याज और एन एस एस गर्ल्स विजेता रही।

प्रतियोगिता में डॉ अभिनव सिंह राठौर,और पीयूष यादव निर्णायक रहे। प्रतियोगिता में राष्ट्रीय कैडेट कोर के एसोशिएट एनसीसी ऑफिसर लेफ्टिनेंट डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव, एनएसएस समन्वयक डॉ अखिलेश दुबे, और शिवाजी इकाई के कार्यक्रम अधिकारी श्री अनिल चंद्रवंशी ने प्रतियोगिता में सम्मिलित सभी कैडेट्स और स्वयं सेवकों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए खेल भावना से अपनी क्षमता, प्रदर्शन से श्रेष्ठ प्रदर्शन करने का सामंजस्य संकल्प दिलाया। प्रतियोगिता में प्रमुख रूप से अभिषेक मिश्रा, आलोक दीक्षित, मनीष गुप्ता, वसुंधरा सिंह, ममता गुप्ता, विवेकानंद , आदित्य पांडेय , सूरज दुबे , अखंड , सृष्टि आदि ने सहयोग किया।

राज्य स्तरीय आइडिया इनोवेशन प्रतियोगिता

राष्ट्रीय सेवा योजना

आइडिया इनोवेशन प्रतियोगिता में प्रोजेक्ट दिखाते हुए आशुतोष मणि त्रिपाठी एवं सागर जायसवाल

दिनांक : 31 अगस्त, 2025। 102 यू पी बटालियन गोरखपुर मुख्यालय के आइडिया इनोवेशन प्रोजेक्ट ने शीर्ष 4 में सम्मिलित होकर किया उत्तर प्रदेश का नेतृत्व सागर जायसवाल और आशुतोष मणि त्रिपाठी के प्रोजेक्ट को उच्च अधिकारियों ने सराहा 31 अगस्त 2025।

राष्ट्रीय कैडेट कोर उत्तर प्रदेश मुख्यालय द्वारा आयोजित राज्यस्तरीय आइडिया इनोवेशन प्रतियोगिता शिविर में 102 यू पी बटालियन गोरखपुर के नेतृत्व में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कैडेट्स के बनाए प्रोजेक्ट को शीर्ष 4 में सम्मिलित होने का गौरव प्राप्त हुआ। राष्ट्रीय कैडेट कोर के कानपुर मुख्यालय द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय आइडिया इनोवेशन प्रतियोगिता में 102 यू पी बटालियन गोरखपुर मुख्यालय से महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर बालापार और मदनमोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय गोरखपुर से सीनियर अंडर आफिसर सागर जायसवाल, कैडेट आशुतोष मणि त्रिपाठी, मानस पाण्डेय,उत्कृष्ठ श्रीवास्तव के बनाए गए प्रोजेक्ट को उत्तर प्रदेश के 40 प्रोजेक्ट में से उच्च अधिकारियों के निर्णायक मंडल द्वारा प्रथम चरण में शीर्ष 11 में चयनित होने सौभाग्य मिला । द्वितीय चरण के चयन प्रक्रिया में 102 बटालियन के कैडेट्स ने उत्कृष्ट प्रदर्शन में अंकों के आधार पर श्रेष्ठ 4 में चयनित होकर बटालियन और विश्विद्यालय का नाम रोशन किया ।

कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टीनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह ने कहा कि 102 यूपी बटालियन, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की टीम द्वारा प्रस्तुत विंड–सोलर हाइब्रिड एनर्जी सिस्टम एक प्रेरणादायक नवाचार है। सागर जायसवाल और आशुतोष मणि त्रिपाठी जैसे समर्पित कैडेट्स ने यह दिखा दिया कि युवा सोच न केवल विचारों में, बल्कि क्रियान्वयन में भी देश को आत्मनिर्भर बना सकती है।यह प्रोजेक्ट 'हर गांव तक बिजली, हर घर तक उजाला' जैसे राष्ट्रीय उद्देश्यों में योगदान दे सकता है। एनसीसी के मंच पर प्रस्तुत यह नवाचार आने वाले समय में भारत के ऊर्जा क्षेत्र में एक क्रांतिकारी परिवर्तन ला सकता है। अडम आफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा ने कैडेट्स के श्रेष्ठ प्रदर्शन पर शुभकामना देते हुए कहा कि सागर जायसवाल एवं आशुतोष मणि त्रिपाठी ,मानस पांडे, उत्कर्ष श्रीवास्तव ने आइडिया इनोवेशन प्रतियोगिता में श्रेष्ठ प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय और बटालियन को उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय कैडेट कोर मुख्यालय में नई पहचान स्थापित किया है।

विश्वविद्यालय के एसोशिएट एन सी सी ऑफिसर, प्रशासनिक अधिकारियों की भूरी–भूरी प्रशंसा करता हूँ कि आप सभी ने एक सशक्त टीम भावना का परिचय देते हुए कानपुर ग्रुप हेड क्वार्टर में गोरखपुर का सफलतापूर्वक प्रतिनिधित्व किया। कैडेट्स के प्रस्तुत प्रोजेक्ट को पूरे 11 ग्रुप में 4जी स्थान आना न केवल आपके परिश्रम, लगन एवं रचनात्मकता का परिणाम है, बल्कि यह इस तथ्य का भी प्रतीक है कि संगठित होकर किया गया कार्य सदैव उत्कृष्ट उपलब्धि दिलाता है। आपकी यह उपलब्धि आने वाले समय में आपको और भी ऊँचाइयों तक पहुँचाने में सहायक होगी।

एन.सी. सी अधिकारी लेफ्टीनेंट डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कैडेट्स के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर कहा कि

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर 102 यू पी बटालियन के साथ सामंजस्य स्थापित कर कैडेट्स की प्रतिभा को बढ़ावा देने के लिए कृत संकल्पित है।

राज्य स्तरीय पकमं पददवअंजपवद प्रतियोगिता शिविर में सीनियर अंडर आफिसर सागर जायसवाल, कैडेट आशुतोष मणि त्रिपाठी, के प्रोजेक्ट कार्य पर बटालियन के अधिकारियों ने निरंतर मार्गदर्शन कर कैडेट्स का उत्साह, मनोबल बढ़ाने का कार्य किया।

कैडेट्स की उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो सुरिंदर सिंह, कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार, प्राचार्य डॉ अनुराग श्रीवास्तव ,प्राचार्य डॉ डी. एस. अजीथा, डॉ गिरिधर वेदांतम, प्रो चंद्रशेखर मूर्ति बी. वी, अधिष्ठाता प्रो सुनील कुमार सिंह, डॉ विमल कुमार दुबे, डॉ शशिकांत सिंह, डॉ रोहित श्रीवास्तव, उपकुलसचिव श्रीकांत, डॉ प्रशांत एस, सहित सभी प्रशासनिक, अकादमिक, शिक्षक गण ने बधाई दिया।

विश्व स्तनपान सप्ताह के तहत आयोजित हुआ जागरूकता कार्यक्रम

स्वतंत्र चेतना , नगर संवाददाता, गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल में बीएससी नर्सिंग की छात्राओं ने सोमवार को विश्व स्तनपान सप्ताह के अंतर्गत महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय की ओपीडी परिसर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं ने जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक प्रभावशाली नाटक प्रस्तुत किया। इस वर्ष के विषय, ह्यस्तनपान को प्राथमिकता दें : सतत समर्थन प्रणाली बनाएंह्ण के अंतर्गत उन्होंने स्तनपान की प्राथमिकताओं जैसे जन्म के तुरंत बाद स्तनपान शुरूआत, छह माह तक केवल स्तनपान, और परिवार एवं स्वास्थ्य कर्मियों के समर्थन को दर्शाया। नाटक में माताओं को आने वाली सामाजिक व पारिवारिक चुनौतियों और उन्हें दूर करने के उपायों को भी जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया। नाटक के उपरांत छात्राओं ने चार्ट पेपरों की सहायता से स्तनपान से संबंधित महत्वपूर्ण पहलुओं को समझाया। उन्होंने स्तनपान की परिभाषा, उद्देश्य, लाभ, तकनीक और महत्व को सरल भाषा में प्रस्तुत किया। बताया गया कि स्तनपान शिशु के लिए पूर्ण आहार है जो न केवल पोषण देता है बल्कि रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाता है और मां-बच्चे के बीच भावनात्मक संबंध मजबूत करता है। तकनीकों में सही लैचिंग, आरामदायक स्थिति और डकार दिलाने की प्रक्रिया को समझाया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य था जनसमुदाय में स्तनपान के प्रति सकारात्मक सोच को बढ़ावा देना तथा एक सहयोगात्मक वातावरण तैयार करना जिससे माताएं सहजता से स्तनपान करवा सकें। कार्यक्रम का आयोजन बीएससी नर्सिंग सातवीं सेमेस्टर की छात्राओं ने शिक्षिकाओं सुमन यादव, रिकी सिंह व डॉ. शालिनी के मार्गदर्शन में किया।

विश्व स्तनपान सप्ताह के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

ओपीडी परिसर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया

नव अमृत प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल में बीएससी नर्सिंग की छात्राओं ने सोमवार को विश्व स्तनपान सप्ताह के अंतर्गत महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय की ओपीडी परिसर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं ने जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक प्रभावशाली नाटक प्रस्तुत किया। इस वर्ष के विषय, 'स्तनपान को प्राथमिकता दें: सतत समर्थन प्रणाली बनाएं' के अंतर्गत उन्होंने स्तनपान की प्राथमिकताओं जैसे जन्म के तुरंत बाद स्तनपान शुरूआत, छह माह तक केवल स्तनपान, और परिवार एवं स्वास्थ्य कर्मियों के समर्थन को दर्शाया। नाटक में माताओं को आने वाली सामाजिक व पारिवारिक चुनौतियों और उन्हें दूर करने के उपायों को भी जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया। नाटक के उपरांत छात्राओं ने चार्ट पेपरों की सहायता से स्तनपान से संबंधित महत्वपूर्ण पहलुओं को समझाया। उन्होंने स्तनपान की परिभाषा, उद्देश्य, लाभ, तकनीक और महत्व को सरल भाषा में प्रस्तुत किया। बताया गया कि स्तनपान शिशु के लिए पूर्ण आहार है जो न केवल पोषण देता है बल्कि रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाता है और मां-बच्चे के बीच भावनात्मक संबंध मजबूत करता है। तकनीकों में सही लैचिंग, आरामदायक स्थिति और डकार दिलाने की प्रक्रिया को समझाया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य था जनसमुदाय में स्तनपान के प्रति सकारात्मक सोच को बढ़ावा देना तथा एक सहयोगात्मक वातावरण तैयार करना जिससे माताएं सहजता से स्तनपान करवा सकें। कार्यक्रम का आयोजन ... सातवीं सेमेस्टर ... यादव, ... मार्गदर्शन ...

शिशुओं में रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है स्तनपान

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल में बीएससी नर्सिंग की छात्राओं ने सोमवार को विश्व स्तनपान सप्ताह के अंतर्गत महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय की ओपीडी परिसर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में छात्राओं ने जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक प्रभावशाली नाटक प्रस्तुत किया। इस वर्ष के विषय, स्तनपान को प्राथमिकता दें, सतत समर्थन प्रणाली बनाएं के अंतर्गत उन्होंने स्तनपान की प्राथमिकताओं जैसे जन्म के तुरंत बाद स्तनपान शुरुआत, छह माह तक केवल स्तनपान और परिवार एवं स्वास्थ्य कर्मियों के समर्थन को दर्शाया। नाटक में माताओं को आने वाली सामाजिक व पारिवारिक चुनौतियों और उन्हें दूर करने के उपायों को भी जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया। नाटक के उपरांत छात्राओं ने चार्ट पेपरों की सहायता से स्तनपान से संबंधित महत्वपूर्ण पहलुओं को समझाया। उन्होंने स्तनपान की परिभाषा, उद्देश्य, लाभ, तकनीक और महत्व को सरल भाषा में प्रस्तुत किया। बताया गया कि स्तनपान शिशु के लिए पूर्ण आहार है जो न केवल पोषण देता है बल्कि रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाता है और मां-बच्चे के बीच भावनात्मक संबंध मजबूत करता है। तकनीकों में सही लैचिंग, आरामदायक स्थिति और डकार दिलाने की प्रक्रिया को समझाया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य था जनसमुदाय में स्तनपान के प्रति सकारात्मक सोच को बढ़ावा देना तथा एक सहयोगात्मक वातावरण तैयार करना जिससे माताएं सहजता से स्तनपान करवा सकें।

महिला हिंसा पर तोड़ें चुप्पी, करें सीधा संवाद : चारू चौधरी

»राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों के साथ किया संवाद

स्वतंत्र चेतना

नगर संवाददाता, गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में सोमवार को फैकल्टी ऑफ हेल्थ एंड लाइफ साइंस तथा फैकल्टी ऑफ मेडिकल साइंस में नव प्रवेशित विद्यार्थियों का दीक्षारंभ समारोह का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित राज्य महिला आयोग उत्तर प्रदेश की उपाध्यक्ष चारू चौधरी ने विद्यार्थियों से संवाद कर महिला उत्पीड़न, रैगिंग और अच्छे और बुरे स्पर्श पर चुप्पी तोड़ने के लिए प्रेरित किया। चारू चौधरी ने कहा कि समाज में महिला उत्पीड़न के खिलाफ संवेदनशील बनें, सहानुभूति से सुनें, साहस से बोलें, चुप्पी तोड़ें और सीधा संवाद करें। महिला सशक्तिकरण के लिए शिक्षित होना आवश्यक है। एक शिक्षित नारी पूरे समाज और परिवार को संबल दे सकती है। उन्होंने कहा कि सामाजिक बदलाव केवल कानूनों से नहीं आते, बल्कि वह हमारी चेतना, दृष्टिकोण और व्यवहार में बदलाव से आते हैं। महिला हिंसा, रैगिंग, उत्पीड़न, गुड टच-बैड टच और जेंडर सेंसिटिविटी जैसे विषय केवल चर्चा के नहीं, बल्कि कार्यान्वयन और अभ्यास के क्षेत्र हैं। राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष ने कहा कि सरकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने रैगिंग को अपराध घोषित किया है। रैगिंग रोकने हेतु हेल्पलाइन, निगरानी कमेटियाँ और सख्त दंड की व्यवस्था की गई है। महिला आयोग पीड़ित व्यक्ति या महिला की पहचान गोपनीय रखता है, उन्हें कानूनी सहायता दी जाती है।

दीक्षारंभ में अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया, सत्र का संचालन डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने किया। दीक्षारंभ में प्रमुख रूप से डॉ. अमित कुमार दुबे, डॉ. प्रेरणा अदिति, डॉ. रश्मि शाही, डॉ अवेद्यनाथ सिंह, डॉ. पवन कुमार कन्नौजिया, डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव, डॉ. आशुतोष श्रीवास्तव, डॉ. अखिलेश दुबे, डॉ. रश्मि झा, सृष्टि यदुवंशी, अनिल कुमार, अनिल मिश्रा, धनंजय पाण्डेय आदि उपस्थित रहे।

विश्व स्तनपान सप्ताह के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित'

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल में बीएससी नर्सिंग की छात्राओं ने सोमवार को विश्व स्तनपान सप्ताह के अंतर्गत महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय की ओपीडी परिसर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं ने जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक प्रभावशाली नाटक प्रस्तुत किया। इस वर्ष के विषय, "स्तनपान को प्राथमिकता देंरू सतत समर्थन प्रणाली बनाएं" के अंतर्गत उन्होंने स्तनपान की प्राथमिकताओं जैसे जन्म के तुरंत बाद स्तनपान शुरुआत, छह माह तक केवल स्तनपान, और परिवार एवं स्वास्थ्य कर्मियों के समर्थन को दर्शाया। नाटक में माताओं को आने वाली सामाजिक व पारिवारिक चुनौतियों और उन्हें दूर करने के उपायों को भी जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया। नाटक के उपरांत छात्राओं ने चार्ट पेपरों की सहायता से स्तनपान से संबंधित महत्वपूर्ण पहलुओं को समझाया। उन्होंने स्तनपान की परिभाषा, उद्देश्य, लाभ, तकनीक और महत्व को सरल भाषा में प्रस्तुत किया। बताया गया कि स्तनपान शिशु के लिए पूर्ण आहार है जो न केवल पोषण देता है बल्कि रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाता है और मां-बच्चे के बीच भावनात्मक संबंध मजबूत करता है। तकनीकों में सही लैचिंग, आरामदायक स्थिति और डकार दिलाने की प्रक्रिया को समझाया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य था जनसमुदाय में स्तनपान के प्रति सकारात्मक सोच को बढ़ावा देना तथा एक सहयोगात्मक वातावरण तैयार करना जिससे माताएं सहजता से स्तनपान करवा सकें। कार्यक्रम का आयोजन बीएससी नर्सिंग सातवीं सेमेस्टर की छात्राओं ने शिक्षिकाओं सुमन यादव, रिकी सिंह व डॉ. शालिनी के मार्गदर्शन में किया।

महिला हिंसा पर तोड़ें चुप्पी, करें सीधा संवाद : चारू चौधरी

भास्कर ब्यूरो

• राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों के साथ किया संवाद

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में सोमवार को फैकल्टी ऑफ हेल्थ एंड लाइफ साइंस तथा फैकल्टी ऑफ मेडिकल साइंस में नव प्रवेशित विद्यार्थियों का दीक्षारंभ समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि राज्य महिला आयोग उत्तर प्रदेश की उपाध्यक्ष चारू चौधरी ने विद्यार्थियों से संवाद कर महिला उत्पीड़न, रैगिंग और अच्छे और बुरे स्पर्श पर चुप्पी तोड़ने के लिए प्रेरित किया।

चारू चौधरी ने कहा कि समाज में महिला उत्पीड़न के खिलाफ संवेदनशील बनें, सहानुभूति से सुनें, साहस से बोले, चुप्पी तोड़ें और सीधा संवाद करें। महिला सशक्तिकरण के लिए शिक्षित होना आवश्यक है। एक शिक्षित नारी पूरे समाज और परिवार को संबल दे सकती है। उन्होंने कहा कि जेंडर सेंसिटिविटी का विकास समाज को अधिक न्यायपूर्ण, समतामूलक और सुरक्षित बनाता है। सामाजिक बदलाव केवल कानूनों से नहीं आते, बल्कि वह हमारी चेतना, दृष्टिकोण और व्यवहार में बदलाव से आते हैं। हमें शिक्षा संस्थानों, परिवारों, सामाजिक संगठनों और सरकार के संयुक्त प्रयासों से ऐसे वातावरण का निर्माण करना होगा जिसमें हर व्यक्ति विशेषकर महिलाएं, बच्चे और समाज के हाशिए पर खड़े लोग स्वयं को सुरक्षित, सम्मानित और आत्मनिर्भर महसूस करें। राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष ने कहा कि सरकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने रैगिंग को अपराध घोषित किया है। रैगिंग रोकने हेतु हेल्पलाइन, निगरानी कमेटियाँ और सख्त दंड की व्यवस्था की गई है। बाल यौन शोषण की बढ़ती घटनाएं आज चिंता का विषय हैं। बच्चे सरल, निश्छल और अबोध होते हैं। उन्हें सही और गलत स्पर्श की पहचान कराना आवश्यक है। जिससे बच्चे को सुरक्षा, स्नेह और विश्वास का अनुभव होता है। 'ना' कहने की आदत डाले और चुप्पी तोड़े और गलत का विरोध करे।

दीक्षारंभ में अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया। सत्र का संचालन डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने किया। दीक्षारंभ में प्रमुख रूप से डॉ. अमित कुमार दुबे, डॉ. प्रेरणा अदिति, डॉ. रश्मि शाही, डॉ अवेद्यनाथ सिंह, डॉ. पवन कुमार कन्नौजिया, डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव, डॉ. आशुतोष श्रीवास्तव, डॉ. अखिलेश दुबे, डॉ. रश्मि झा, सृष्टि यदुवंशी, अनिल कुमार, अनिल मिश्रा, धनंजय पाण्डेय आदि उपस्थित रहे।

महिला हिंसा पर तोड़ें चुप्पी : चारू

गोरखपुर(एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय (एमजीयूजी) में सोमवार को फैकल्टी ऑफ हेल्थ एंड लाइफ साइंस तथा फैकल्टी ऑफ मेडिकल साइंस में नव प्रवेशित विद्यार्थियों का दीक्षारंभ समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित राज्य महिला आयोग उत्तर प्रदेश की उपाध्यक्ष चारू चौधरी ने विद्यार्थियों से संवाद कर महिला उत्पीड़न, रैगिंग और अच्छे और बुरे स्पर्श पर चुप्पी तोड़ने के लिए प्रेरित किया।

■ एमजीयूजी में दीक्षारंभ समारोह का आयोजन

■ नवप्रवेशित विद्यार्थियों के साथ किया गया संवाद

चारू चौधरी ने कहा कि समाज में महिला उत्पीड़न के खिलाफ संवेदनशील बनें, सहानुभूति से सुनें, साहस से बोलें, चुप्पी तोड़ें और सीधा संवाद करें। महिला सशक्तिकरण के लिए शिक्षित होना आवश्यक है। एक शिक्षित नारी पूरे समाज और परिवार को संबल दे सकती है। महिला हिंसा, रैगिंग, उत्पीड़न, शारीरिक स्पर्श के प्रति जागरूकता (गुड टच-बैड टच) और लिंग संवेदनशीलता (जेंडर सेंसिटिविटी) जैसे विषय आधुनिक युग में अत्यधिक प्रासंगिक हैं और इन पर खुली चर्चा तथा जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष ने कहा कि सरकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने रैगिंग को अपराध घोषित किया है। रैगिंग रोकने को हेल्पलाइन, निगरानी कमेटियां और सख्त दंड की व्यवस्था की गई है। महिला आयोग पीड़ित व्यक्ति या महिला की पहचान गोपनीय रखता है, उन्हें कानूनी सहायता दी जाती है। उन्होंने कहा कि बाल यौन शोषण की बढ़ती घटनाएं आज चिंता का विषय हैं।

दीक्षारंभ में अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन, सत्र का संचालन डा. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने किया। दीक्षारंभ में प्रमुख रूप से डा. अमित कुमार दुबे, डा. प्रेरणा अदिति, डा. रश्मि शाही, डा. अवेद्यनाथ सिंह, डा. पवन कुमार कन्नौजिया, डा. संदीप कुमार श्रीवास्तव, डा. आशुतोष श्रीवास्तव, डा. अखिलेश दुबे, डा. रश्मि झा, सृष्टि यदुवंशी, अनिल कुमार, अनिल मिश्रा, धनंजय पाण्डेय आदि उपस्थित रहे।

महिला हिंसा पर तोड़ें चुप्पी, करें सीधा संवाद : चारू चौधरी

☛ 'राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों के साथ किया संवाद'

☛ 'एमजीयूजी के फैकल्टी ऑफ हेल्थ एंड लाइफ साइंस तथा फैकल्टी ऑफ मेडिकल साइंस में दीक्षारंभ समारोह

नर्सिंग छात्राओं ने किया पोषण के प्रति जागरूक

गोरखपुर : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के फैकल्टी आफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल की नर्सिंग छात्राओं ने सोमवार को विभिन्न आयु वर्ग के लिए जांच व जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। शारीरिक परीक्षण के बाद छात्राओं ने अलग-अलग आयु वर्ग के लोगों को पोषण संबंधी जरूरतों की जानकारी दी। उन्हें आवश्यक भोज्य पदार्थों के बारे में बताया। बच्चों को हाथ धोने और दांत साफ करने का तरीका भी समझाया। छात्राओं का मार्गदर्शन शिक्षक गरिमा चौधरी, साक्षी गुप्ता व सौम्या ने किया।

इसी क्रम में जीएनएम प्रथम वर्ष की छात्राओं ने शिक्षक सुमन यादव व सुध यादव के मार्गदर्शन में खत्रीपुरा गांव में जन स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम आयोजित किया। उन्होंने रोल प्ले, कठपुतली शो, चार्ट पेपर और फ्लैश कार्ड के माध्यम से पोषक भोजन, स्वास्थ्य, नशीले पदार्थों के दुरुपयोग और रोकथाम के लिए जागरूक किया। बताया कि आंवला विटामिन सी से भरपूर है और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है। हल्दी में एंटी इंफ्लेमेट्री व एंटीआक्सीडेंट गुण होते हैं। बाजरा/रागी फाइबर और आयरन से भरपूर, मधुमेह में फायदेमंद है। अखरोट और अलसी के बीज ओमेगा-3 फैटी एसिड की कमी पूरी करते हैं। विज्ञप्ति

एमजीयूजी की नर्सिंग छात्राओं ने चलाया जागरूकता अभियान

गोरखपुर (गो०मे०सं०)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर एमजीयूजी के फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल में अध्ययनरत बीएससी नर्सिंग सप्तम सेमेस्टर और पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग द्वितीय वर्ष की छात्राओं ने सोमवार को विभिन्न आयु वर्ग (पांच वर्ष से कम, किशोर, वयस्क एवं बुजुर्ग) के लिए जांच और जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। शारीरिक परीक्षण के बाद छात्राओं ने अलग अलग आयु वर्ग के लोगों को पोषण संबंधी जरूरतों की जानकारी देते हुए उनके लिए आवश्यक भोज्य पदार्थों के बारे में अवगत कराया। इस दौरान बच्चों को हाथ धोने और दांत साफ करने का तरीका भी समझाया गया। इस कार्यक्रम में छात्राओं का मार्गदर्शन शिक्षिकाओं गरिमा चौधरी, साक्षी गुप्ता एवं सौम्या ने किया। इसी क्रम में जीएनएम प्रथम वर्ष की छात्राओं ने शिक्षिकाओं सुमन यादव व सुधा यादव के मार्गदर्शन में खत्रीपुरा गांव में जन स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इसमें उन्होंने रोल प्ले, कठपुतली शो, चार्ट पेपर और फ्लैश कार्ड के माध्यम से सुपरफूड्स स्वास्थ्य और कल्याण, नशीले पदार्थों के दुरुपयोग और रोकथाम पर जागरूकता फैलाई। बताया कि सुपरफूड से कई प्रकार के स्वास्थ्य लाभ है। जैसे आंवला विटामिन सी से भरपूर है रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है। हल्दी में एंटी इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं। अदरक पाचन तंत्र को मजबूत करता है। सर्दी-जुकाम में लाभकारी तुलसी इम्युनिटी बढ़ाती है और संक्रमण से लड़ने में सहायक होती है। मूंग दाल प्रोटीन का अच्छा स्रोत है। बाजरा/रागी फाइबर और आयरन से भरपूर, डायबिटीज में फायदेमंद है जबकि अखरोट और अलसी के बीज ओमेगा-3 फैटी एसिड होते हैं।

बच्चों, किशोरों व बुजुर्गों का किया स्वास्थ्य परीक्षण

- एमजीयूजी की नर्सिंग छात्राओं ने चलाया जागरूकता अभियान
- कठपुतली शो, चार्ट पेपर से सुपरफूड के लाभ बताए
- पोषण सम्बंधी जरूरतों की दी जानकारी

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर एमजीयूजी के फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल में अध्ययनरत बीएससी नर्सिंग सप्तम सेमेस्टर और पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग द्वितीय वर्ष की छात्राओं ने सोमवार को विभिन्न आयु वर्ग (पांच वर्ष से कम, किशोर, वयस्क एवं बुजुर्ग) के लिए जांच और जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

शारीरिक परीक्षण के बाद छात्राओं ने अलग अलग आयु वर्ग के लोगों को पोषण संबंधी जरूरतों की जानकारी देते हुए उनके लिए आवश्यक भोज्य पदार्थों के बारे में अवगत कराया। इस दौरान बच्चों को हाथ धोने और दांत साफ करने का तरीका भी समझाया गया। इस कार्यक्रम में छात्राओं का मार्गदर्शन शिक्षिकाओं गरिमा चौधरी, साक्षी गुप्ता एवं सौम्या ने किया।

इसी क्रम में जीएनएम प्रथम वर्ष की छात्राओं ने शिक्षिकाओं सुमन यादव व सुधा यादव के मार्गदर्शन में खत्रीपुरा गांव में जन स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

इसमें उन्होंने रोल प्ले, कठपुतली शो, चार्ट पेपर और फ्लैश कार्ड के माध्यम से सुपरफूड्स स्वास्थ्य और कल्याण, नशीले पदार्थों के दुरुपयोग और रोकथाम पर जागरूकता फैलाई। बताया कि सुपरफूड से कई प्रकार के स्वास्थ्य लाभ हैं। जैसे आंवला विटामिन सी से भरपूर है रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है। हल्दी में एंटी इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं। अदरक पाचन तंत्र को मजबूत करता है। सर्दी-जुकाम में लाभकारी तुलसी इम्युनिटी बढ़ाती है और संक्रमण से लड़ने में सहायक होती है। मूंग दाल प्रोटीन का अच्छा स्रोत है। बाजरा/रागी फाइबर और आयरन से भरपूर, डायबिटीज में फायदेमंद है जबकि अखरोट और अलसी के बीज ओमेगा-3 फैटी एसिड होते हैं।

एमजीयूजी की नर्सिंग छात्राओं ने चलाया जागरूकता अभियान'

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर एमजीयूजी के फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल में अध्ययनरत बीएससी नर्सिंग सप्तम सेमेस्टर और पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग द्वितीय वर्ष की छात्राओं ने सोमवार को विभिन्न आयु वर्ग (पांच वर्ष से कम, किशोर, वयस्क एवं बुजुर्ग) के लिए जांच और जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। शारिरिक परीक्षण के बाद छात्राओं ने अलग अलग आयु वर्ग के लोगों को पोषण संबंधी जरूरतों की जानकारी देते हुए उनके लिए आवश्यक भोज्य पदार्थों के बारे में अवगत कराया। इस दौरान बच्चों को हाथ धोने और दांत साफ करने का तरीका भी समझाया गया। इस कार्यक्रम में छात्राओं का मार्गदर्शन शिक्षिकाओं गरिमा चौधरी, साक्षी गुप्ता एवं सौम्या ने किया। इसी क्रम में जीएनएम प्रथम वर्ष की छात्राओं ने शिक्षिकाओं सुमन यादव व सुधा यादव के मार्गदर्शन में खत्रीपुरा गांव में जन स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इसमें उन्होंने रोल प्ले, कठपुतली शो, चार्ट पेपर और फ्लैश कार्ड के माध्यम से सुपरफूड्स स्वास्थ्य और कल्याण, नशीले पदार्थों के दुरुपयोग और रोकथाम पर जागरुकता फैलाई। बताया कि सुपरफूड से कई प्रकार के स्वास्थ्य लाभ हैं। जैसे आंवला विटामिन सी से भरपूर है रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है। हल्दी में एंटी इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं। अदरक पाचन तंत्र को मजबूत करता है। सर्दी—जुकाम में लाभकारी तुलसी इम्युनिटी बढ़ाती है और संक्रमण से लड़ने में सहायक होती है। मूंग दाल प्रोटीन का अच्छा स्रोत है। बाजराष्रागी फाइबर और आयरन से भरपूर, डायबिटीज में फायदेमंद है जबकि अखरोट और अलसी के बीज ओमेगा—3 फैटी एसिड होते हैं।

एमजीयूजी की नर्सिंग छात्राओं ने चलाया जागरूकता अभियान

ग्राम स्वराज्य (संवाददाता)

गोरखपुर, 11 अगस्त। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर एमजीयूजी के फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल में अध्ययनरत बीएससी नर्सिंग सप्तम सेमेस्टर और पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग द्वितीय वर्ष की छात्राओं ने सोमवार को विभिन्न आयु वर्ग (पांच वर्ष से कम, किशोर, वयस्क एवं बुजुर्ग) के लिए जांच और जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

शारिरिक परीक्षण के बाद छात्राओं ने अलग अलग आयु वर्ग के लोगों को पोषण संबंधी जरूरतों की जानकारी देते हुए उनके लिए आवश्यक भोज्य पदार्थों के बारे में अवगत कराया। इस दौरान बच्चों को हाथ धोने और दांत साफ करने का तरीका भी समझाया गया। इस कार्यक्रम में छात्राओं का मार्गदर्शन शिक्षिकाओं गरिमा चौधरी, साक्षी गुप्ता एवं सौम्या ने किया।

इसी क्रम में जीएनएम प्रथम वर्ष की छात्राओं ने शिक्षिकाओं सुमन यादव व सुधा यादव के मार्गदर्शन में खत्रीपुरा गांव में जन स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इसमें उन्होंने रोल प्ले, कठपुतली शो, चार्ट पेपर और फ्लैश कार्ड के माध्यम से सुपरफूड्स स्वास्थ्य और कल्याण, नशीले पदार्थों के दुरुपयोग और रोकथाम पर जागरूकता फैलाई। बताया कि सुपरफूड से कई प्रकार के स्वास्थ्य लाभ है। जैसे आंवला विटामिन सी से भरपूर है रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है। हल्दी में एंटी इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं। अदरक पाचन तंत्र को मजबूत करता है। सर्दी-जुकाम में लाभकारी तुलसी इम्युनिटी बढ़ाती है और संक्रमण से लड़ने में सहायक होती है। मूंग दाल प्रोटीन का अच्छा स्रोत है। बाजरा/रागी फाइबर और आयरन से भरपूर, डायबिटीज में फायदेमंद है जबकि अखरोट और अलसी के बीज ओमेगा-3 फैटी एसिड होते हैं।

एनसीसी से मिलती है अनुशासन और देशभक्ति की प्रेरणा : लेफ्टिनेंट संदीप

एमजीयूजी में एनसीसी प्री-स्क्रीनिंग कैम्प में शामिल हुए में 187 विद्यार्थी

ग्राम स्वराज्य (संवाददाता)

गोरखपुर, 12 अगस्त। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) में नामांकन के लिए 102 यूपी बटालियन के सैन्य अधिकारियों की देखरेख में प्री-स्क्रीनिंग शारीरिक दक्षता कैम्प का आयोजन किया गया। इसमें 187 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

इस अवसर पर एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को प्री-स्क्रीनिंग के नियमों की जानकारी देते हुए कहा कि एनसीसी सैन्य सेवा में प्रवेश का मुख्य द्वार है जहां से राष्ट्र के भविष्य निर्माता अपने सफर की शुरुआत करते हैं। यह केवल एक चयन प्रक्रिया नहीं, बल्कि एक आदर्श कैडेट के निर्माण की पहली सीढ़ी है। जो छात्र इसे गंभीरता से लेते हैं, वे न केवल एनसीसी में, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में अग्रणी बनते हैं।

उन्होंने कहा कि एनसीसी से अनुशासन, नेतृत्व और देशभक्ति की प्रेरणा मिलती है। 102 यूपी बटालियन के जेसीओ सूबेदार धरेश माने ने कहा कि प्री-स्क्रीनिंग में दृढ़ निष्ठा, शारीरिक योग्यता और मानसिक तत्परता की परख होती है। एनसीसी प्री-स्क्रीनिंग में कैडेट्स का चयन विभिन्न चरणों के माध्यम से किया जाता है, जिसमें उनकी शारीरिक क्षमता, मानसिक सजगता, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता तथा संगठन के प्रति समर्पण की परीक्षा ली जाती है।

विद्यार्थी के भविष्य पर काफी असर डाल सकती है रैगिंग

एमजीयूजी

- आयुर्वेद कॉलेज में रैगिंग के खिलाफ युवा विषय पर व्याख्यान

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) में मंगलवार को रैगिंग के खिलाफ युवा विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें अतिथि वक्ता विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. रघुराम ने अपने संबोधन में रैगिंग के दुष्परिणामों, कानूनी प्रावधानों और पीड़ितों पर पड़ने वाले मानसिक एवं शारीरिक प्रभावों पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ. रघुराम ने कहा कि रैगिंग एक अपराध है। जो छात्रों के भविष्य और जीवन पर गंभीर असर डाल सकता है। रैगिंग के खिलाफ जागरूकता जरूरी है क्योंकि यह इससे पीड़ित विद्यार्थी के अध्ययन, उसके व्यक्तित्व विकास पर नकारात्मक प्रभाव डालता है।

विद्यार्थी के भविष्य पर असर डाल सकता है रैगिंग

जासं, गोरखपुर : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कालेज) में मंगलवार को 'रैगिंग के खिलाफ युवा' विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया।

अतिथि वक्ता विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण डा. रघुराम ने कहा कि रैगिंग एक अपराध है, जो छात्रों के भविष्य और जीवन पर गंभीर असर डाल सकता है। रैगिंग के खिलाफ जागरूकता जरूरी है क्योंकि यह इससे पीड़ित विद्यार्थी के अध्ययन, उसके व्यक्तित्व विकास पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को सकारात्मक नेतृत्व, सहयोगी वातावरण और आपसी संवाद को बढ़ावा देना चाहिए, ताकि शिक्षा संस्थान भयमुक्त और सौहार्दपूर्ण बने रहें। कार्यक्रम की अध्यक्षता आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डा. गिरिधर वेदांतम ने की। संचालन डा. दीपू मनोहर और नितेश ने तथा आभार ज्ञापन डा. मिनी ने किया। डा. सुमित, डा. साध्वी नन्दन पाण्डेय, डा. गोपीकृष्ण डा. रश्मि एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विद्यार्थी के भविष्य पर असर डाल सकता है रैगिंग : डॉ. रघुराम

एमजीयूजी के आयुर्वेद कॉलेज में रैगिंग के खिलाफ युवा विषय पर व्याख्यान

एनसीसी से मिलती है अनुशासन और देशभक्ति की प्रेरणा : लेफ्टिनेंट संदीप

एमजीयूजी में एनसीसी प्री-स्क्रीनिंग कैम्प में शामिल हुए में 187 विद्यार्थी

'एनसीसी से मिलती है अनुशासन और देशभक्ति की प्रेरणा : लेफ्टिनेंट संदीप'

'एमजीयूजी में एनसीसी प्री-स्क्रीनिंग कैम्प में शामिल हुए में 187 विद्यार्थी'

गोरखपुर, 12 अगस्त। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) में नामांकन के लिए 102 यूपी बटालियन के सैन्य अधिकारियों की देखरेख में प्री-स्क्रीनिंग शारीरिक दक्षता कैम्प का आयोजन किया गया। इसमें187 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को प्री-स्क्रीनिंग के नियमों की जानकारी देते हुए कहा कि एनसीसी सैन्य सेवा में प्रवेश का मुख्य द्वार है जहां से राष्ट्र के भविष्य निर्माता अपने सफर की शुरुआत करते हैं। यह केवल एक चयन प्रक्रिया नहीं, बल्कि एक आदर्श कैडेट के निर्माण की पहली सीढ़ी है। जो छात्र इसे गंभीरता से लेते हैं, वे न केवल एनसीसी में, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में अग्रणी बनते हैं। उन्होंने कहा कि एनसीसी से अनुशासन, नेतृत्व और देशभक्ति की प्रेरणा मिलती है। 102 यूपी बटालियन के जेसीओ सूबेदार धरेश माने ने कहा कि प्री-स्क्रीनिंग में दृढ़ निष्ठा, शारीरिक योग्यता और मानसिक तत्परता की परख होती है। एनसीसी प्री-स्क्रीनिंग में कैडेट्स का चयन विभिन्न चरणों के माध्यम से किया जाता है, जिसमें उनकी शारीरिक क्षमता, मानसिक सजगता, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता तथा संगठन के प्रति समर्पण की परीक्षा ली जाती है।

विद्यार्थी के भविष्य पर असर डाल सकता है रैगिंगः डॉ. रघुराम

गोरखपुर। (स्पष्ट आवाज)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के गुरु गोरखनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) में मंगलवार को "रैगिंग के खिलाफ युवा" विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें अतिथि वक्ता विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. रघुराम ने अपने संबोधन में रैगिंग के दुष्परिणामों, कानूनी प्रावधानों और पीड़ितों पर पड़ने वाले मानसिक एवं शारीरिक प्रभावों पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ. रघुराम ने कहा कि रैगिंग एक अपराध है, जो छात्रों के भविष्य और जीवन पर गंभीर असर डाल सकता है। रैगिंग के खिलाफ जागरूकता जरूरी है क्योंकि यह इससे पीड़ित विद्यार्थी के अध्ययन, उसके व्यक्तित्व विकास पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को सकारात्मक नेतृत्व, सहयोगी वातावरण और आपसी संवाद को बढ़ावा देना चाहिए, ताकि शिक्षा संस्थान भयमुक्त और सौहार्दपूर्ण बने रहें। कार्यक्रम की अध्यक्षता आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम ने की। कार्यक्रम का संयोजन और संचालन डॉ. दीपू मनोहर और नितेश ने तथा आभार ज्ञापन डॉ. मिनी ने किया।

विद्यार्थी के भविष्य पर असर डाल सकता है रैगिंग : डॉ. रघुराम

एमजीयूजी के आयुर्वेद कॉलेज में रैगिंग के खिलाफ युवा विषय पर व्याख्यान

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) में मंगलवार को रैगिंग के खिलाफ युवा विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें अतिथि वक्ता विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. रघुराम ने अपने संबोधन में रैगिंग के दुष्परिणामों, कानूनी प्रावधानों और पीड़ितों पर पड़ने वाले मानसिक एवं शारीरिक प्रभावों पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ. रघुराम ने कहा कि रैगिंग एक अपराध है, जो छात्रों के भविष्य और जीवन पर गंभीर असर डाल सकता है। रैगिंग के खिलाफ जागरूकता जरूरी है क्योंकि यह इससे पीड़ित विद्यार्थी के अध्ययन, उसके व्यक्तित्व विकास पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को सकारात्मक नेतृत्व, सहयोगी वातावरण और आपसी संवाद को बढ़ावा देना चाहिए, ताकि शिक्षा संस्थान भयमुक्त और सौहार्दपूर्ण बने रहें। कार्यक्रम की अध्यक्षता आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम ने की। कार्यक्रम का संयोजन और संचालन डॉ. दीपू मनोहर और नितेश ने तथा आभार ज्ञापन डॉ. मिनी ने किया। कार्यक्रम में डॉ. सुमित, डॉ. साध्वी नन्दन पाण्डेय, डॉ. गोपीकृष्ण डॉ. रश्मि सहित कई प्राध्यापक और सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विद्यार्थी के भविष्य पर असर डाल सकता है रैगिंग : डॉ. रघुराम

एमजीयूजी के आयुर्वेद कॉलेज में रैगिंग के खिलाफ युवा विषय पर व्याख्यान

ग्राम स्वराज्य (संवाददाता)

एनसीसी बना विजेता, एनएसएस उपविजेता घोषित

» खेल युवाओं के सर्वांगीण विकास का माध्यम : डॉ. चंद्रशेखर मूर्ति

» महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय खेल दिवस पर हुआ भव्य आयोजन

स्वतंत्र चेतना

नगर संवाददाता, गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में राष्ट्रीय खेल दिवस 2025 के अवसर पर चिकित्सा विज्ञान संकाय में एनसीसी और एनएसएस के संयुक्त तत्वावधान में खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। यह कार्यक्रम मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया, जिसमें शपथ ग्रहण और विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताएं सपन्न हुई।

प्रतियोगिता का शुभारंभ चिकित्सा विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. चंद्रशेखर मूर्ति ने भगवान श्रीगणेश की पूजा-अर्चना कर और खेल दिवस की शपथ दिलाकर किया। डॉ. चंद्रशेखर मूर्ति ने कहा कि युवाओं सर्वांगीण विकास का माध्यम है। खेल प्रतियोगिताओं में दौड़, सेक रेस, कबड्डी, टग ऑफ वॉर और पिट्ठू जैसे खेलों का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता में एनसीसी कैडेट्स विजेता रहे जबकि एनएसएस को उपविजेता से संतोष करना पड़ा। लड़कियों की 200 मीटर दौड़ में रविता पासवान प्रथम, संजना शर्मा द्वितीय और अस्मिता सिंह तृतीय रही। लड़कों की 200 मीटर दौड़ में अरुण विश्वकर्मा ने पहला स्थान प्राप्त किया जबकि आदित्य सिंह और अविनाश पांडेय क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। 400 मीटर दौड़ लड़कियों में संजना शर्मा प्रथम और कविता पासवान द्वितीय रही। लड़कों की 400 मीटर दौड़ में तन्मय ने प्रथम, अरुण विश्वकर्मा ने द्वितीय और सूरज कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सेक रेस में लड़कों की श्रेणी में तन्मय प्रथम रहे, जबकि प्रशांत जायसवाल और आदित्य सिंह क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर आए। लड़कियों की सेक रेस में सृष्टि यादव प्रथम, खुशी यादव द्वितीय और अस्मिता सिंह तृतीय रही। कबड्डी प्रतियोगिता में एनसीसी के कैडेट्स ने शानदार प्रदर्शन कर अपनी पकड़ मजबूत बनाई। वहीं पिट्ठू प्रतियोगिता में एनएसएस ने श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। टग ऑफ वॉर प्रतियोगिता में एनसीसी लड़के और एनएसएस लड़कियां विजेता रहीं। निर्णायक की भूमिका डॉ. अभिनव सिंह राठौर और पीयूष यादव ने निभाई। इस दौरान एनसीसी एसोसिएट ऑफिसर लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव, एनएसएस समन्वयक डॉ. अखिलेश दुबे और शिवाजी इकाई के कार्यक्रम अधिकारी अनिल चंद्रवंशी, अभिषेक मिश्रा, आलोक दीक्षित, मनीष गुप्ता, वसुंधरा सिंह, ममता गुप्ता, विवेकानंद, आदित्य पांडेय, सूरज दुबे, अखंड और सृष्टि आदि मौजूद रहे।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में एन.सी.सी और एन.एस.एस ने मैत्री भाव से खेला राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता'

☛ 'सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करता राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता : डॉ चंद्रशेखर मूर्ति'

☛ 'खेल प्रतियोगिता में एन. सी. सी हुआ विजेता और एन. एस. एस उपविजेता'

एनसीसी और एनएसएस ने मैत्री भाव से खेल प्रतियोगिता में लिया भाग

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत चिकित्सा विज्ञान संकाय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की शिवाजी इकाई एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय खेल दिवस 2025 के अवसर पर शपथ ग्रहण एवं खेल-कूद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ।

■ खेल प्रतियोगिता में एनसीसी हुआ विजेता

प्रतियोगिता का शुभारंभ चिकित्सा विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डा.चंद्र शेखर मूर्ति ने भगवान श्रीगणेश की पूजा अर्चना कर खेल दिवस पर शपथ ग्रहण कराया।

चिकित्सा विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ चंद्रशेखर मूर्ति बी.बी ने कहा कि राष्ट्रीय खेलों का मुख्य उद्देश्य केवल विजेता चुनना नहीं होता, भावना का विकास करना और उनके सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करना होता है।

इस अवसर पर एनसीसी और एनएसएस की प्रतियोगिताएं युवाओं में शारीरिक क्षमता, टीम भावना और अनुशासन का संचार करती हैं। इन प्रतियोगिताओं में दौड़, सेक रेस, कबड्डी, टग ऑफ वॉर, पिट्ठू खेल से मैत्रीय भावना का संदेश दिया।

प्रतियोगिता में विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया, जिसमे 200 मीटर रेस, 400 मीटर रेस, टग अफ वर बयज, टग ऑफ वॉर गर्ल्स इत्यादि शामिल रहे। कबड्डी और पिट्ठू गेम में सभी कैडेट्स और स्वयंसेवकों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में एन.सी.सी कैडेट्स

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में एनसीसी-एनएसएस की राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता

एनसीसी कैडेट्स कुल विजेता, एनएसएस उपविजेता

ग्राम स्वराज्य (संवाददाता)

गोरखपुर, 29 अगस्त। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के चिकित्सा विज्ञान संकाय में राष्ट्रीय खेल दिवस और हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती पर एनसीसी-एनएसएस की संयुक्त खेल प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ संकाय अधिष्ठाता डॉ. चंद्रशेखर मूर्ति ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

दौड़ प्रतियोगिता (200 और 400 मीटर) में रविता पासवान, संजना शर्मा, अरुण विश्वकर्मा, तन्मय और कविता पासवान ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कबड्डी में एनसीसी टीम विजयी रही, जबकि पिट्ठू खेल में एनएसएस टीम ने बाजी मारी। रस्साकशी प्रतियोगिता में एनसीसी बॉयज टीम और एनएसएस गर्ल्स टीम विजेता बनी। प्रतियोगिता में एनसीसी कैडेट्स कुल विजेता बने और एनएसएस उपविजेता रहा।

निर्णायक की भूमिका डॉ. अभिनव सिंह राठौर और पीयूष यादव ने निभाई। आयोजन में लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव (एनसीसी), डॉ. अखिलेश दुबे (एनएसएस समन्वयक) और अनिल चंद्रवंशी (कार्यक्रम अधिकारी) की प्रमुख भूमिका रही। कार्यक्रम में अभिषेक मिश्रा, आलोक दीक्षित, मनीष गुप्ता, वसुंधरा सिंह, ममता गुप्ता, विवेकानंद, सूरज दुबे, सृष्टि यादव सहित शिक्षक और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

मानीराम में लगा निश्शुल्क स्वास्थ्य शिविर

गोरखपुरः महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की महंत अवेद्यनाथ इकाई की ओर से शिविर संचालित किए जा रहे हैं। इसके तहत स्वयंसेवकों ने शनिवार को मानीराम में एक दिवसीय निश्शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। इसमें उपस्थित रोगियों के ब्लड प्रेशर और मधुमेह की जांच की गई। लोगों को स्वास्थ्य रक्षा के प्रति जागरूक किया गया। शिविर का आयोजन फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एवं पैरामेडिकल के डीन (डा.) डीएस अजीथा और प्राचार्य डा. रोहित कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में हुआ। शिविर का नेतृत्व कार्यक्रम अधिकारी धीरज कुमार ने किया। विज्ञप्ति।

एमजीयूजी के रासेयो स्वयंसेवकों ने लगाया एक दिवसीय शिविर

नव अमृत प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की महंत अवेद्यनाथ इकाई के स्वयंसेवको द्वारा शनिवार को ग्राम मानीराम में एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में हर उम्र के लोगों के ब्लड प्रेशर और मधुमेह की जांच की गई और लोगों को स्वास्थ्य रक्षा के प्रति जागरूक किया गया। शिविर का आयोजन फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एवं पैरामेडिकल के डीन (डा.) डी.एस. अजीथा और प्राचार्य डॉ रोहित कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन और महंत अवेद्यनाथ इकाई के कार्यक्रम अधिकारी धीरज कुमार के नेतृत्व में हुआ।

एमजीयूजी के रासेयो स्वयंसेवकों ने लगाया एक दिवसीय शिविर

गोरखपुर (गो०मे०सं०)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की महंत अवेद्यनाथ इकाई के स्वयंसेवको

द्वारा शनिवार को ग्राम मानीराम में एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में हर उम्र के लोगों के ब्लड प्रेशर और मधुमेह की जांच की गई और लोगों को स्वास्थ्य रक्षा के प्रति जागरूक किया गया। शिविर का आयोजन फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एवं पैरामेडिकल के डीन (डा.) डी.एस. अजीथा और प्राचार्य डॉ रोहित कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन और महंत अवेद्यनाथ इकाई के कार्यक्रम अधिकारी धीरज कुमार के नेतृत्व में हुआ।

राष्ट्रीय सेवा योजना   राष्ट्रीय कैडेट कोर

सम्पादक

डॉ. अखिलेश कुमार दूबे

सहायक आचार्य (स्वास्थ्य एवं जीवन विज्ञान संकाय)

कार्यक्रम समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना

सह सम्पादक

लेफ्टिनेंट (डॉ.) संदीप कुमार श्रीवास्तव

सहायक आचार्य (स्वास्थ्य एवं जीवन विज्ञान संकाय)

एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर

ग्राफिक्स एवं डिजाइन

श्री शारदानन्द पाण्डेय

प्रकाशक

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर उत्तर प्रदेश-२७३००७

coordinator.nss@mgug.ac.in, mguniversitygkp@mgug.ac.in www.mgug.ac.in